RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः268, बुधवार, 08 अक्टूबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

जिला के सभी 12 विधानसभा के निर्वाची पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाची... 03

वाल्मीकिनगर के संगम तट पर 147 वीं नारायणी गंडकी महाआरती 04

थामा का पहला गाना तुम मेरे ना हुए जारी, रश्मिका-आयुष्मान की केमिस्ट्री ने जीता... 07

कट्टर मुस्लिम देश में मिला 2700 साल पुराना मंदिर

● पुरातत्वविदों ने तुर्की में की खोज, एक पवित्र गुफा भी मिली ● 500 साल तक यहां पर थी खलीफाओं की हुकूमत, सब हैरान

अंकारा (एजेंसी)। पांच सदियों तक इस्लाम के सबसे बड़े ओटोमन साम्राज्य का केंद्र रहे तुर्की में पुरात्वविदों ने 2700 साल पुराना मंदिर खोज निकाला है। आधुनिक डेनिजली शहर के पास खोजे गए इस मंदिर का निर्माण फ्रीजियन लोगों के समय का माना जा रहा है, जिन्होंने इस क्षेत्र में लगभग 1200 से 650 ईसा पूर्व के बीच शासन किया था। फ्रीजियन साम्राज्य का सबसे मशहूर शासक मिडास रहा है। पुरातत्वविदों का मानना है कि यह मंदिर मातृ देवी को समर्पित रहा होगा। इसके साथ एक पवित्र गुफा भी मिली है। फ्रीजियन लोगों की एक प्रमुख देवी संभवतः प्रजनन क्षमता और प्रकृति से जुड़ी हुई थीं। उन्हें कई नामों से जाना जाता था, जिसमें मैटेरन, माटर और साइबेले शामिल है। ऐतिहासिक साक्ष्य बताते हैं कि प्राचीन यूनानियों और रोमन जैसी दूसरी संस्कृतियों में भी मातृदेवी की पूजा की जाती थी और फ्रीजियन साम्राज्य के बाद भी उनका पंथ बढ़ता रहा।

● **2600 साल से अधिक पुराना है मंदिर-** रिपोर्ट के अनुसार, मूर्तियां चट्टान के ऊपरी भाग में उकेरी गई हैं। कोलासी ने बताया कि इस स्थल पर कई अर्घ्यदान पात्र और जल निकासी चैनल भी हैं। अर्घ्य देना यानी जल डालना, अक्सर प्राचीन सांस्कृतिक अनुष्ठानों में उपयोग किया जाता है। हिंदू धर्म में आज भी इसका बहुत महत्व है। कोलासि ने इस बात की पुष्टि की है कि यह स्थल लगभग 2800-2600 साल पुराना है। कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय में प्राचीन भूमध्यसागरीय कला की एमेरिटस प्रोफेसर लिन रोलर ने कहा कि तस्वीरों से यह स्थल फ्रीजियन काल की मेल खाता है। रोलर ने एक ईमेल में बताया कि चट्टान में उकेरी गई दोहरी मूर्तियां बहुत घिसी हुई हैं, इसलिए अधिक जानकारी नहीं मिल पा रही है, लेकिन अपनी वर्तमान स्थिति में भी यह मिडास सिटी और अन्य स्थलों पर पाई गई मूर्तियों के जोड़े की याद दिलाती है।

अरविंद केजरीवाल को दिल्ली में टाइप-7 बंगला हुआ अलॉट

नया पता-95 लोधी एस्टेट, सीएम आवास छोड़ने के बाद पार्टी सांसद के घर रहते थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को दिल्ली में नया बंगला अलॉट हुआ है। इसका पता 95 लोधी एस्टेट है, ये टाइप 7 बंगला है। हालांकि एएपी ने केजरीवाल के लिए टाइप-8 बंगले की डिमांड की थी। पिछले साल 17 सितंबर को केजरीवाल ने सीएम पद से इस्तीफा दिया था। 4 अक्टूबर को परिवार समेत 6, फ्लैग स्टाफ मार्ग स्थित सीएम हाउस (बंगला) खाली करके लुटियंस दिल्ली में फिरोजशाह रोड पर बंगला नंबर-5 में शिफ्ट हुए थे। ये बंगला पंजाब से एएपी के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को अलॉट है। दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री के लिए सरकारी आवास का कोई प्रावधान नहीं है। इसी वजह से एएपी ने अपनी नेता के लिए वैकल्पिक आवास के लिए कोर्ट का रुख किया था। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग से बंगला मिला है।

हिल्सा मछली को बचाने बांग्लादेश में जंगी जहाज तैनात

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिल्सा मछली को अवैध रूप से पकड़ने से बचाने के लिए सेना की तैनाती की गई है। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक इसके लिए 17 वॉर शिप और गश्ती हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं। ये जहाज और गश्ती विमान घरेलू और विदेशी मछुआरों को गहरे समुद्र में घुसपैठ से रोकने के लिए 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं। बांग्लादेशी अधिकारियों ने कहा है कि 4 से 25 अक्टूबर तक हिल्सा मछली के प्रजनन वाले इलाके में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हिल्सा को बांग्लादेश में इलिश मछली भी कहा जाता है। यह बांग्लादेश की राष्ट्रीय मछली है और इसे वहां पर 'मां' का दर्जा दिया गया है। हिल्सा प्रजनन के लिए हर साल अंडे देने के लिए समुद्र (गर्म पानी) से नदियों (ठंडे पानी) की ओर लौटती है। हिल्सा मछली पर लाखों लोग निर्भर हैं। ढाका में फिलहाल इसकी कीमत 2800 से 3000 टका (2050 से 2200 रुपए) प्रति किलोग्राम है। भारत के पश्चिम बंगाल में भी यह मछली बहुत पसंद की जाती है और महंगी कीमत पर बिकती है। भारतीय मछुआरे गंगा नदी और उसके डेल्टा के खारे पानी में मछली पकड़ते हैं, जिससे कोलकाता और पश्चिम बंगाल की जरूरतें पूरी होती हैं। लेकिन ज्यादा मछली पकड़ने से हिल्सा के प्रजनन के समय मछली का स्टॉक कम हो सकता है। जलवायु परिवर्तन और समुद्र के जलस्तर का बढ़ना हिल्सा मछली के स्टॉक पर असर डाल रहा है।

● हेलीकॉप्टर से निगरानी भी हो रही, प्रजनन के समय अवैध शिकार रोकने की कवायद

3.66 लाख वोटर्स की जल्द जानकारी दे चुनाव आयोग

● सुप्रीम कोर्ट का नया आदेश,9 अक्टूबर को अगली सुनवाई

ईसी ने कहा- फाइनल लिस्ट में ज्यादातर नए मतदाता जोड़े

पटना (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को एसआईआर (वोटर वेरिफिकेशन) पर सुनवाई हुई। एसआईआर के खिलाफ वकील प्रशांत भूषण ने दलील दी कि आयोग ने मतदाता सूची को साफ करने के बजाय, समस्या को और बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा, इसमें पारदर्शिता का भी अभाव है। चुनाव आयोग ने दिशानिर्देशों के अनुसार जानकारी अपलोड नहीं की है। सुनवाई के दौरान 65 व्यक्तियों की एक लिस्ट पेश की और कहा कि वे हलफनामा दाखिल कर सकते हैं। वहीं, वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा,आपके माननीयों ने उन्हें 65 लाख नामों की सूची देने के लिए मजबूर किया, लेकिन जिन 3.66 लाख लोगों का नाम हटाए गए हैं, उनमें से किसी को भी नोटिस नहीं मिला है। इस पर कोर्ट ने कहा, हमने निर्देश दिया था कि सभी जिलों में नामों को बोर्ड पर लगाया जाएगा। जवाब में प्रशांत भूषण ने कहा, ऐसा नहीं किया गया है। कोर्ट ने आयोग से पूछा- क्या 3.66 लाख लोगों में से जिसे नोटिस नहीं मिला क्या वो शिकायत लेकर आगे आया है। इस चुनाव आयोग ने कहा- नहीं, किसी ने कोई शिकायत नहीं की है। इसके बाद कोर्ट ने चुनाव आयोग को 3.66 लाख वोटर्स की जानकारी देने के निर्देश दिए। इस पर आयोग ने कहा, फाइनल लिस्ट में ज्यादातर नए मतदाता जोड़े गए हैं। इनमें कुछ पुराने नाम भी शामिल हैं। कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि जो भी उपलब्ध जानकारी है, उसे जल्द दें।

'बुर्कानशीं' वोटर्स पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रखेंगी नजर

पटना (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने सोमवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों की घोषणा कर दी है। राज्य में आगामी 6 नवंबर और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा। वहीं मतगणना 14 नवंबर को होगी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर तारीखों का ऐलान किया है।

ज्ञानेश कुमार ने बताया है कि पहले चरण में 121 तो वहीं दूसरे चरण में 122 सीट के लिए मतदान होगा। इस बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ने यह भी बताया है कि बिहार में वोटिंग के दौरान बुर्कानशीं वोटर्स पर कड़ी नजर रखी जाएगी और जरूरत पड़ने पर उनकी चेकिंग भी होगी। सीईसी ने कहा है कि ''बुर्कानशीं'' या ''पर्दानशीं'' मतदाताओं की पहचान के लिए आंगनवाड़ी कर्मी उपलब्ध रहेंगी।

बुलेट की स्पीड से दौड़ेगी ट्रेन, नहीं लगेगा जाम!

24,634 करोड़ रुपए के रेलवे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश में रेलवे को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। कैबिनेट ने रेलवे से जुड़े चार प्रोजेक्ट्स को आज मंजूरी दे दी। इसके तहत कई मौजूदा नेटवर्क को चार से छह लेन का बनाया जाएगा। इनकी कुल लंबाई 894 किमी है और इन पर कुल 24,634 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। ये प्रोजेक्ट चार राज्यों महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ में 18 जिलों को कवर करते हैं। ये प्रोजेक्ट 2030-31 तक पूरे करने का लक्ष्य है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेलवे के चार प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। इनमें वर्धा-भुसावल के बीच तीसरी और चौथी लाइन बनाई जाएगी। यह प्रोजेक्ट 314 किमी लंबा होगा।

इसी तरह महाराष्ट्र के गोंदिया से छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ के बीच 84 किमी लंबी चौथा लाइन का निर्माण किया जाएगा। गुजरात के वडोदरा से मध्य प्रदेश के रतलाम के बीच तीसरी और चौथी लाइन बनाई जाएगी।

यह प्रोजेक्ट कुल 259 किमी लंबा होगा। चौथा प्रोजेक्ट मध्य प्रदेश में इटारसी-भोपाल-बीना के बीच चौथी लाइन है। यह प्रोजेक्ट 237 किमी लंबा है। वैष्णव ने बताया कि आज जिन चार प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है, वे देश के सात सबसे व्यस्त रेलवे रूट्स का हिस्सा हैं।

दीदी जब तक हैं, पश्चिम बंगाल नहीं जाऊंगा

● बागेश्वर बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने खाई 'सौगंध'

छतरपुर (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने पश्चिम बंगाल में कथा करने के लिए परमीशन नहीं मिलने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री रहते वह पश्चिम बंगाल में कथा नहीं करेंगे। बाबा ने कहा जब तक बंगाल में दीदी हैं, वो वहां नहीं जाएंगे। दीदी की जगह जब दादा आएंगे, तब जरूर जाएंगे। छत्तीसगढ़ के रायपुर में हो रही कथा के मंच से धीरेंद्र शास्त्री

ने कहा,अभी हमको पश्चिम बंगाल जाना था तो दीदी ने हमको मना कर दिया, परमीशन ही कैंसिल हो गई। दीदी जब तक हैं, तब तक पश्चिम बंगाल नहीं जाएंगे। दादा आएंगे जब जाएंगे, पर भगवान करे कि दीदी बनी रहें। हमें उनसे कोई दिक्कत नहीं, लेकिन बुद्धि ठीक रखें और धर्म के खिलाफ न रहें। दरअसल, 10 से 12 अक्टूबर तक कोलकाता में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा का आयोजन होना था, लेकिन वहां बारिश का पानी भरने से पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा उनकी कथा करने की परमीशन रद्द कर दी गई। इससे उन्हें काफी बुरा लगा है।

रायबरेली में इंसान नहीं, संविधान की हुई हत्या

● राहुल बोले-भीड़तंत्र को यूपी सरकार का मिल रहा है संरक्षण ● दलित युवक की हत्या,मार खाते हुए राहुल का नाम लिया था

रायबरेली (एजेंसी)। रायबरेली में मॉब लिंचिंग को लेकर राहुल गांधी ने कहा- दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम हत्या केवल एक इंसान की नहीं, बल्कि इंसानियत, संविधान और न्याय की हत्या है। देश में नफरत, हिंसा और भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। राहुल ने मंगलवार को एक्स पर लिखा- संविधान की जगह बुलडोजर ने ले ली है, इंसाफ की जगह डर ने। लेकिन यह देश संविधान से चलेगा, भीड़ की सनक से नहीं। भारत का भविष्य समानता और मानवता पर टिका है। मैं परिवार के साथ खड़ा हूं। उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। दरअसल, 2 अक्टूबर को हरिओम पासवान की हत्या हुई थी। शुरू में कहा गया था कि युवक ड्रोन चोर था। उसी दिन युवक को पीटने और उसकी लाश के वीडियो भी सामने आए थे। इसके बाद 4 अक्टूबर को एक और वीडियो सामने आया, जिसमें मार खाते हुए युवक राहुल गांधी का नाम लेता है। इस पर भीड़ में से एक शख्स कहता है, यहां सब 'बाबा' वाले हैं। इस मामले में लापरवाही करने पर ऊंचाहार थाना प्रभारी संजय कुमार समेत 6 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है।

● **वंचित के खिलाफ सबसे अधिक हिंसा हो रही-** राहुल-खड़गे ने लिखा है, देश में दलितों, अल्पसंख्यकों और गरीबों पर अपराध की संख्या हद से ज्यादा बढ़ चुकी है। यह हिंसा सबसे अधिक उन्हीं पर होती है, जो वंचित हैं, बहुजन हैं, जिनकी न पर्याप्त हिस्सेदारी है, न प्रतिनिधित्व। चाहे हाथरस और उन्नाव में महिलाओं के खिलाफ अपराध हों या रायबरेली में हरिओम की हत्या। कुछ समय पहले रोहित वेमुला की संस्थागत हत्या हुई। मध्य प्रदेश में एक नेता द्वारा आदिवासी युवक पर पेशाब करने की अमानवीय घटना भी सामने आई। ओडिशा और मध्य प्रदेश में दलितों की निर्मम पिटाई हो या फिर हरियाणा के पहलू खान और उत्तर प्रदेश के अखलाक की हत्या। हर घटना हमारे समाज, प्रशासन और सत्ताधारी शक्तियों की बढ़ती हुई संवेदनहीनता का दर्पण है।

हरियाणा के आईपीएस अफसर ने खुद को मारी गोली

● चंडीगढ़ वाले घर में मिली लाश,आईएएस पत्नी जापान में

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा कैडर के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर मृत पाए गए हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने खुद को गोली मारी है। पूरन कुमार हरियाणा में एडीजीपी के पद पर थे। उनकी पत्नी अमनीत पी कुमार हरियाणा कैडर की आईएएस हैं। वह अभी हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में

एक प्रतिनिधिमंडल के साथ जापान में हैं। वाई पूरन कुमार का परिवार चंडीगढ़ के सेक्टर 11 में रहता है। जानकारी के मुताबिक वाई. पूरन कुमार ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से आत्महत्या की है। उन्होंने सोमवार को अपने गनमैन से बंदूक ली थी। उनकी बेटी को यह बंदूक बेसमेंट में मिली। सूत्रों की मानें वाई पूरन कुमार ने अपने घर के बेसमेंट में जाकर खुद को गोली मारी है। उनका बेसमेंट साउंडप्रूफ है जिसके चलते गोली चलने की आवाज बाहर नहीं आई। काफी देर बाद उनकी बेटी ने नीचे जाकर देखा तो पिता की लाश पड़ी थी और पास में रिवॉल्वर भी पड़ी थी। उसने पुलिस को सूचना दी। वाई. पूरन कुमार हरियाणा कैडर के आईपीएस थे। अभी वह पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज में तैनात थे। वह अपने कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे। घटना के दौरान एडीजीपी रैंक के अधिकारी पूरन कुमार की पत्नी अमनीत पी. कुमार घर में नहीं थी।

फिजिक्स का नोबेल 3 अमेरिकी वैज्ञानिकों को

मैक्रोस्कोपिक क्वांटम टनलिंग के लिए मिला ईनाम

स्कॉटहोम (एजेंसी)। इस साल फिजिक्स नोबेल पुरस्कार 3 अमेरिकी वैज्ञानिक जॉन क्लार्क, मिशेल डेवोरेट, जॉन मार्टिनिस को मिला है। स्वीडन की रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। यह पुरस्कार इलेक्ट्रिक सर्किट में बड़े पैमाने पर मैक्रोस्कोपिक क्वांटम टनलिंग और ऊर्जा के स्तरों की खोज के लिए मिला है। क्वांटम टनलिंग वह प्रक्रिया है जिसमें कोई कण किसी बाधा (बैरियर) को कूदकर नहीं बल्कि उसके आर-पार होकर निकल जाता है, जबकि सामान्य फिजिक्स के हिसाब से यह असंभव होना चाहिए। क्वांटम की दुनिया में छोटे कण महत्वपूर्ण हैं।

लखनऊ में 5 साल बाद ताकत दिखाएंगी मायावती

● कांशीराम की पुण्यतिथि पर मेगा रैली करेंगी बसपा चीफ ● दलित-ओबीसी व अल्पसंख्यक वोटर्स पर रहेगा फोकस

लखनऊ (एजेंसी)। कांशीराम की पुण्यतिथि पर 9 अक्टूबर को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती लखनऊ में

बड़ी रैली करने जा रही हैं। इसे पार्टी के पुनर्जीवन की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। बसपा कई वर्षों से उत्तर प्रदेश की सियासत में अपनी खोई पकड़ वापस पाने की जद्दोजहद कर रही है। राजनीति के जानकार इस रैली को उस दिशा में एक बड़ा कदम मान रहे हैं। कांशीराम स्मारक स्थल, आशियाना के मैदान में आयोजित इस रैली में मायावती 3 घंटे रहकर अपनी ताकत दिखाने की कोशिश करेंगी। 2025 में होने वाले पंचायत और 2027 विधान सभा चुनाव में पार्टी की मजबूती दिखाने का प्रयास करेंगी। मंच पर भतीजे आकाश आनंद के अलावा भाई आनंद कुमार और बसपा के प्रमुख नेता भी मौजूद रहेंगे। हो सकता है कि आकाश आनंद पहला भाषण मायावती के सामने भी दें। मायावती की यह रैली पूरे पांच साल बाद हो रही है।

● **2.5 लाख लोगों को लाने की प्लानिंग-** पार्टी ने इस बार राज्य की सभी 403 विधानसभा सीटों से करीब 5 लाख समर्थकों को लाने का लक्ष्य तय किया है। हर विधानसभा क्षेत्र से 5 गाड़ियों में कार्यकर्ता और समर्थक आएंगे। जिला स्तर पर जिम्मेदारी बांटी गई है। प्रत्येक विधानसभा प्रभारी को न्यूनतम 5000 कार्यकर्ताओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी रूट्स को लेकर लॉजिस्टिक सेल बना है, जो ट्रैफिक और पार्किंग की मॉनिटरिंग करेगा। बसपा ने इस बार मैदान और डिजिटल दोनों मोर्चों पर फोकस किया है। दीवारों पर पेंटिंग, नीले झंडों से सजी गलियों में सभाएं हो रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

फुलवारी शरीफ में चोर गिरोह का भंडाफोड़, 7 गिरफ्तार, सोने-चांदी के जेवरात और नकदी बरामद

पटना। सोमवार को फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र में सक्रिय चोर गिरोह के सात सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। पुलिस ने उनके पास से सोने-चांदी के जेवरात, नकदी और मोबाइल फोन बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सिंटू कुमार, शुभम कुमार, ऋषभ कुमार, रवीना देवी, रितु रंजन, रवि रोशन और शशि कुमार के रूप में हुई है। ये सभी पटना, फुलवारी शरीफ और पलामू (झारखंड) के रहने वाले बताए जा रहे हैं। सिटी एसपी पश्चिम भानु प्रताप सिंह ने बताया कि यह गिरोह रात में घरों की रेकी करता था, फिर मौका देखकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। ये लोग सोने-चांदी के गहने और नकदी चुराकर बेचने की फिराक में रहते थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि यह गिरोह फुलवारी शरीफ के जानीपुर इलाके में चोरी का सामान बेचने पहुंचा है। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर सातों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि 2 अक्टूबर को राष्ट्रीय गंज स्थित एक घर में बड़ी चोरी की वारदात को इस गिरोह ने ही अंजाम दिया था। उस समय घर से भारी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी हुई थी। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने के कंगन, अंगूठी, मंगलसूत्र, गले का हार, कान की बाली, ढोलना, पायल, ब्रेसलेट, बाला सहित कई सामान बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी के नेटवर्क की पहचान के लिए पूछताछ जारी है।

'आप हिजड़ा हैं और इसका इंसाफ अल्ला ताला करेगा', ओवैसी ने बिहार पुलिस पर साधा निशाना

हाजीपुर। AIMIM नेता असदुद्दीन ओवैसी ने वैशाली के महुआ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने पुलिस हिरासत में नासिर शाह की मौत के लिए वैशाली पुलिस और बिहार सरकार को जिम्मेदार ठहराया, और पुलिसकर्मियों को 'हिजड़ा' कहा। ओवैसी ने महुआ के गांधी मैदान में कहा कि जिस पुलिस ने नासिर शाह को हिरासत में लिया था, वह बहादुर नहीं बल्कि 'हिजड़ा' थी। उन्होंने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यदि मरने वाला नासिर शाह नहीं होता, तो सरकार थाने के चौकीदार से लेकर थानाध्यक्ष तक को निलंबित कर चुकी होती। AIMIM नेता ने प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, चिराग पासवान और उपेंद्र कुशवाहा से सवाल किया। उन्होंने कहा कि नासिर शाह की मौत पुलिस हिरासत में हुई है, और यह बहादुरी नहीं है। ओवैसी ने जनता से इस नाइंसाफी का जवाब वोट से देने की अपील की। यह मामला बिहार के वैशाली से जुड़ा है, जहां 40 रुपए के आइसक्रीम विवाद को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कई थानों की पुलिस पर हमला कर दिया था। इस घटना में दर्जनों पुलिसकर्मी घायल हुए थे और पुलिस की गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसी मामले में नासिर शाह को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस हिरासत में इलाज के दौरान नासिर शाह की मौत हो गई थी, जिसके बाद से यह मुद्दा गरमाया हुआ है। बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है, जहां 2 चरणों में 6 और 11 नवंबर को मतदान होगा और 14 नवंबर को नतीजे आएंगे। AIMIM ने महुआ विधानसभा सीट से अमित कुमार उर्फ बच्चा राय को अपना उम्मीदवार बनाया है, जिससे इस सीट पर मुकाबला दिलचस्प हो गया है। ओवैसी की सभा में मुसलमानों की भारी भीड़ देखी गई, जिससे राजद के एमवाई समीकरण पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

मुजफ्फरपुर में आम्रपाली दूबे, निरहुआ समेत अन्य पर परिवाद दर्ज, 18 अक्टूबर को होगी सुनवाई

मुजफ्फरपुर। भोजपुरी एक्टर दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', आम्रपाली दुबे समेत शहर के चित्रलेखा शॉपिंग मॉल के मालिक विकास अग्रवाल और विवेक अग्रवाल, एसडीओ तुषार कुमार के खिलाफ मामला मुजफ्फरपुर कोर्ट में विभिन्न धाराओं के तहत परिवाद दर्ज कराया गया है। ये जानकारी वकील सुधीर कुमार ओझा ने मंगलवार को आयोजित एक प्रेस सम्मेलन में दी। उन्होंने बताया कि 4 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर में चित्रलेखा शॉपिंग मॉल की भव्य ओपनिंग के अवसर पर सड़क को पूरी तरह जाम कर दिया गया था। इस दौरान हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोग घंटों तक जाम में फंसे रहे थे, एम्बुलेंस तक को रास्ता नहीं मिला था। मुजफ्फरपुर में दिनेश लाल यादव निरहुआ और आम्रपाली दुबे के कार्यक्रम की दो तस्वीरें देखिए ओझा ने इसे प्रशासनिक लापरवाही और सार्वजनिक व्यवस्था का उल्लंघन बताया। ओझा ने कहा कि कानून के दायरे में रहते हुए उन्होंने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में परिवाद दायर किया है। न्यायालय ने आवेदन को स्वीकार करते हुए 18 अक्टूबर को मामले की सुनवाई की तिथि निर्धारित की है। वकील ने कहा कि इस तरह के आयोजन सार्वजनिक असुविधा और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं, और कानून सबके लिए समान है, चाहे वह आम नागरिक हो या जनप्रतिनिधि या फिल्म अभिनेता।

नेपाल में बारिश का असर, उफान पर बागमती नदी, नवादा और हरिपुर में कटाव, कई गांव में घुसा पानी

मुजफ्फरपुर। नेपाल के तराई क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश का असर अब बिहार के उत्तरी जिलों में दिखाई देने लगा है। खासकर मुजफ्फरपुर जिले में बागमती नदी उफान पर है। पिछले तीन दिनों से जलस्तर लगातार बढ़ने से निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बागमती का पानी अब नवादा, हरिपुर, मधुरपट्टी और आसपास के गांवों में पहुंच गया है। कई जगह लोगों के घरों और आंगनों में पानी घुस चुका है। नवादा गांव में तेजी से बढ़ा कटाव, सड़क का हिस्सा बहानवादा गांव में बागमती नदी के तेज बहाव से कटाव ने विकराल रूप ले लिया है। नदी किनारे बसे कई घर और खेत धीरे-धीरे ध्वस्त हो रहे हैं। गांव को जोड़ने वाली मुख्य सड़क का बड़ा हिस्सा पानी में समा गया, जिससे गांव का संपर्क पूरी तरह टूट गया है। बागमती किनारे बालू की बोरी और मिट्टी के ढेर लगाकर पानी को रोकने की कोशिश की जा रही है। लोगों को अब नाव या अस्थायी बांस के पुल से आवाजाही करनी पड़ रही है। गायघाट प्रखंड के हरिपुर गांव में भी कटाव जारी है। नदी किनारे बने कई घरों की दीवारें दरक चुकी हैं। लोग दिन-रात चौकसी में लगे हैं कि कहीं पानी अचानक से घरों में न घुस जाए। बांध, सड़क टूटने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। ग्रामीणों को बाजार या अस्पताल जाने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। वहीं, मधुरपट्टी गांव में पुल नहीं होने से पहले ही लोगों को नाव पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब जलस्तर बढ़ने से नाव चलाना भी खतरनाक हो गया है। नाविकों का कहना है कि नदी की धारा इतनी तेज है कि थोड़ी सी चूक से नाव पलट सकती है। औराई प्रखंड बागमती के साथ-साथ लखनदेई नदी के उफान से भी प्रभावित है। स्थानीय लोगों ने बताया कि जमींदारी बांध पर अब पानी का दबाव बढ़ गया है। अगर बांध टूटा तो आसपास के गांव महुआडाबर, पकड़ी और गोरौल टोला पूरी तरह जलमग्न हो सकते हैं। डर से ग्रामीण रात में सो नहीं पा रहे है। प्रशासनिक स्तर पर अभी तक कोई राहत या बचाव दल मौके पर नहीं पहुंचा है। ग्रामीणों का आरोप है कि बाढ़ की आशंका की सूचना पहले ही प्रशासन को दी गई थी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। न तो बाढ़ चौकियों पर कर्मचारी हैं, न नावों की व्यवस्था की गई है।

3.66 लाख वोटर्स की जानकारी दे चुनाव आयोग : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, पटना

- चुनाव आयोग ने कहा- फाइनल लिस्ट में ज्यादातर नए मतदाता जोड़े, कुछ पुराने नाम भी

सुप्रीम कोर्ट में आज यानी मंगलवार को SIR (वोटर वेरिफिकेशन) पर सुनवाई हुई। SIR के खिलाफ वकील प्रशांत भूषण ने दलील दी कि आयोग ने मतदाता सूची को साफ करने के बजाय, समस्या को और बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा, इसमें पारदर्शिता का भी अभाव है। चुनाव आयोग ने दिशानिर्देशों के अनुसार जानकारी अपलोड नहीं की है। सुनवाई के दौरान 65 व्यक्तियों की एक लिस्ट पेश की और कहा कि वे हलफनामा दाखिल कर सकते हैं। वहीं, वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, 'आपके माननीयों ने उन्हें 65 लाख नामों की सूची देने के लिए मजबूर किया, लेकिन जिन 3.66 लाख लोगों का नाम हटाए गए हैं, उनमें से किसी को भी नोटिस नहीं मिला है। इसपर कोर्ट ने कहा, 'हमने निर्देश दिया था कि सभी जिलों में नामों को बोर्ड पर लगाया जाएगा। जवाब में प्रशांत भूषण ने कहा, 'ऐसा नहीं किया गया है।'

कोर्ट ने आयोग से पूछा- क्या 3.66 लाख लोगों में से जिसे नोटिस नहीं मिला क्या वो शिकायत लेकर आगे आया है? इस चुनाव आयोग ने कहा- नहीं, किसी ने कोई शिकायत नहीं की है। इसके बाद कोर्ट ने चुनाव आयोग को 3.66 लाख वोटर्स की जानकारी देने के निर्देश दिए। इसपर आयोग ने कहा, 'फाइनल लिस्ट में ज्यादातर नए मतदाता जोड़े गए हैं। इनमें कुछ पुराने नाम भी शामिल हैं।' कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि जो भी उपलब्ध जानकारी है, उसे गुरुवार शाम (9 अक्टूबर) तक अदालत में पेश करे। यानि मामले की अगली सुनवाई अब 9 अक्टूबर को होगी।

हमने फाइनल लिस्ट के बाद एनालिसिस की है- भूषणः प्रशांत भूषण ने कोर्ट में कहा- 'अंतिम सूची आने के बाद, हम कुछ विश्लेषण कर पाए हैं। हमने SIR के लिए चुनाव आयोग के 2003 के दिशानिर्देश देखे हैं और 2016 के एक और दिशानिर्देश, जिसमें फर्जी मतदाताओं को हटाने के तरीके वगैरह बताए गए हैं। हमने अभी लिखित कॉपी सौंपी हैं। उस पर चर्चा करने से पहले, मैं चाहता हूं कि योगेंद्र यादव को 10 मिनट का समय दें ताकि वे SIR के कारण महिलाओं, मुसलमानों आदि के अनुपातहीन बहिष्कार की वास्तविक पृष्ठभूमि बता सकें। जे. कांतः कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन आप आगे कैसे बढ़ना चाहते हैं? SIR की वैधता पर या...?'

बिहार SIR पर टुकड़ों में राय नहीं दे सकता- SCः इससे पहले 15 सितंबर को सुनवाई हुई थी। इस दौरान याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि चुनाव आयोग प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहा है। नियमों की अनदेखी हो रही है। इस पर कोर्ट ने कहा हम यह मानकर चलेंगे कि चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारियों को जानता है। अगर कोई गड़बड़ी हो रही है, तो हम इसको देखेंगे।

डॉक्टर की गाड़ी ने 2 लोगों को मारी थी ठोकर

एजेंसी, पटना

- पुलिस ने कार जब्त कर एफआईआर की दर्ज, हादसे के बाद से चिकित्सक फरार

पटना में श्री कृष्णापुरी थाना क्षेत्र के सहदेव मार्ग में 2 लोगों को रौंदकर भागने वाली गाड़ी की पहचान हो गई है। गाड़ी सुमित संस्कार की है। जो पेशे से डॉक्टर है। घटना के बाद वह फरार हो गया था। फिलहाल गांधी मैदान ट्रैफिक थाने की पुलिस ने गाड़ी जब्त कर ली है और केस भी दर्ज कर लिया है। पूछताछ और सीसीटीवी के जरिए स्पष्ट हो पाएगा कि गाड़ी चालक चला रहा था या डॉक्टर। ट्रैफिक पुलिस इसकी पड़ताल कर रही है।

3 अक्टूबर की सुबह हुई थी घटनाः दरअसल, 3 अक्टूबर की सुबह सहदेव मार्ग में एक अज्ञात गाड़ी पैदल जा रहे 2 राहगीर मोहम्मद अमीर उल्ला (45) और चिंता देवी (60) को तेज स्पीड में रौंद भाग निकली थी। दोनों घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से ई-रिक्शा से पास के एक निजी अस्पताल में एडमिट कराया गया था। इस घटना में अमीरउल्ला के सिर और चिंता देवी के हाथ, बॉडी में अंदरूनी चोट लगी थी। फिलहाल दोनों घायल इलाजरत हैं।

एक सब्जी लाने तो दूसरा साइट पर जा रहे थेः घटना के दौरान अमीरउल्ला अपनी साइट पर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि पीछे से इतनी जोर से गाड़ी ने ठोकर मारी कि वो कुछ नहीं समझ पाए। वहीं, घटनास्थल पर ही बेहोश हो गए। जब आंख खुली तो अपने आप को अस्पताल में पाया। अमीरउल्ला के परिजन को रुपए के अभाव में इलाज में भी परेशानी आ रही है। उधार लेकर पत्नी और मां इलाज करवा रहे हैं। वहीं, चिंता देवी की बेटी ने बताया कि वो पास में हाईकोर्ट के जज के घर काम करती हैं। उसी सिलसिले में सब्जी लेने के लिए निकली थीं। इसी दौरान हादसे का शिकार हो गईं।

गंगा में नहाने के दौरान शख्स डूबा, मंदिर में पूजा से पहले पहुंचे थे घाट

फतुहा में एसडीआरएफ की टीम कर रही खोजबीन

एजेंसी, पटना

पटना के नदी थाना क्षेत्र अंतर्गत सबलपुर स्थित विष्णु मंदिर घाट पर मंगलवार सुबह स्नान के दौरान 46 वर्षीय व्यक्ति डूब गया। व्यक्ति की पहचान गुलमहियाचक गांव निवासी हरेंद्र महतो के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही SDRF की टीम मौके पर पहुंची और तलाश करने में जुट गई है। ग्रामीणों के अनुसार, हरेंद्र महतो रोज सुबह विष्णु मंदिर घाट पर स्नान कर प्राचीन विष्णु मंदिर में पूजा करते थे। मंगलवार सुबह भी वे इसी क्रम में घाट पर पहुंचे थे। बताया जाता है कि स्नान के लिए पानी में उतरते ही वे अचानक अनियंत्रित होकर गहरे पानी में चले गए और डूब गए। हरेंद्र महतो को डूबते देख ग्रामीणों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। घटना के तुरंत बाद घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने तत्काल नदी थाने और परिजनों को सूचना दी।

खोजबीन लगातार जारी हैः सूचना मिलते ही नदी थाने की पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय गोताखोर गोलू साहनी को बुलाया, जिन्होंने खोजबीन शुरू की। कुछ ही देर बाद, SDRF की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन में जुट गई।

मेट्रो का सफर कर यात्री बोले, बिहार बदल रहा है

एजेंसी, पटना

- मेट्रो से घूमने के लिए स्कूल किया बंक, छात्रा बोली- मुझे बहुत प्राउड फील हो रहा

पटना मेट्रो बिहारवासियों के लिए शुरू हो गई है। सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक मेट्रो चलेगी। आम लोग पटना मेट्रो में सफर करने लगे हैं। सुबह 8 बजे ही लोग पटना मेट्रो की पहली राइड लेने के लिए स्टेशन पहुंच गए थे। पटना में मेट्रो की सवारी करके काफी खुश हैं। एक यात्री ऐसी भी थी जो आपका स्कूल बंक करके मेट्रो के सफर के लिए पहुंची। रितिका ने कहा कि बहुत अच्छा और प्राउड फील हो रहा है। बिहार का डेवलपमेंट हो रहा है। लोग बोलते थे कि बिहार कभी डेवलप नहीं हो सकता है, मगर ऐसा नहीं है। मुझे तो बहुत एक्साइटमेंट थी, इसलिए मैं स्कूल बंक करके आज पटना मेट्रो का सफर करने के लिए आई हूं। इसका सफर करके काफी अच्छा लग रहा है। मेरे दोस्त मेट्रो सिटी के बारे में बोलकर चिढ़ाते थे, मगर अब पटना में भी यह हो गया है तो काफी अच्छा लग रहा है।

मेट्रो का चुनाव पर फर्क नहीं हो, जिसे वोट देना है उसे देंगे हीः पहली राइड लेने के लिए पहुंचे चित्रा रानी ने कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है कि पटना में भी मेट्रो आ गया है। मैं खास तौर पर घूमने के लिए सुबह 8 बजे ही मेट्रो स्टेशन पहुंच गई थी, ताकि इस पर सफर कर सकूं। फर्स्ट राइड लेने का मन था इसलिए पहुंच गई और सुबह में भीड़ भी कम रहती है, तो आसानी से चढ़ना-उतरना हो जाएगा। चुनाव से पहले इसकी शुरुआत हुई है, लेकिन मुझे नहीं लगता है कि चुनाव में इसका कोई खास असर पड़ेगा, क्योंकि लोगों को जिन्हें वोट देना है वह उन्हें ही देंगे।

बिहार तरक्की कर रहा है, यहां बहुत कुछ हैः यात्री काजल ने कहा कि दिल्ली मेट्रो में मैंने बहुत बार ट्रैवल किया है, मगर पटना में ट्रैवल करके बहुत अच्छा लग रहा है। अभी पूरा मेट्रो काफी क्लीन दिख रहा है और मैं बिहार के वासियों से निवेदन करती हूं कि ऐसा ही साफ-सुथरा रखें। जो लोग यह बोलते थे कि बिहार में कुछ नहीं है वह अब चुप हो जाओ। अब जब बिहार तरक्की कर रहा है, तो उसे एप्रिशिएट करो। जब बिहार डेवलप करना चाह रहा है तो उसे डेवलप होने दो। बिहार में बहुत कुछ है और लोगों को उसे एप्रिशिएट करना चाहिए। वह बस गलत चीजें ही दिखाते हैं।

सीपीआई महासचिव बोले, तेजस्वी के सीएम बनने से आपत्ति नहीं

- सीट बंटवारे का मुद्दा जल्द सुलझ जाएगा, महागठबंधन विधानसभा चुनाव जीतेगा

एजेंसी, पटना

पटना में मंगलवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI) महासचिव डी राजा पहुंचे। उन्होंने कहा कि CPI महागठबंधन का अभिन्न अंग है और उसे पूरा समर्थन प्राप्त है। राजा ने विश्वास जताया कि महागठबंधन विधानसभा चुनाव जीतेगा। डी राजा ने बताया कि उनकी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के साथ बैठक होगी। इस बैठक में महागठबंधन में सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर चर्चा होने की संभावना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री का चेहरा महागठबंधन का मुख्य मुद्दा नहीं है, बल्कि 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव जीतना प्राथमिकता है।

राजा ने कहा कि उन्हें तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने से कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कांग्रेस के रुख को उसका आंतरिक मामला बताया, लेकिन दोहराया कि CPI महागठबंधन के साथ पूरी तरह से एकजुट है। डी राजा ने कहा कि तेजस्वी के साथ बैठक के बाद सीट बंटवारे का मुद्दा जल्द ही सुलझ जाएगा। उन्होंने धैर्य रखने की अपील की।

अभी तक सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय नहींः बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियां जोरों पर है और महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। महागठबंधन के भीतर लगातार चुनावी मंथन और बैठकों का दौर जारी है। हालांकि, अभी तक सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय नहीं हो पाया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि को-ऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक के बाद सीटों का बंटवारा तय हो जाएगा। जानकारी के अनुसार, आज तेजस्वी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है।

मुकेश सहनी बोले, एक-एक सीट पर समीक्षा कर काम करेंगे

एजेंसी, पटना

- वीआईपी के सैकड़ों कार्यकर्ता चुनाव लड़ने की इच्छा रखते, संघर्ष के अनुसार इज्जत देंगे

महागठबंधन में सीट शेयरिंग फॉर्मूला फाइनल होने से पहले वीआईपी पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी मंगलवार को फेसबुक लाइव आएं। मुकेश सहनी ने सबसे पहले लोकतंत्र के पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी। इसके बाद कहा यहां कुछ ही दिनों में महागठबंधन की सरकार बननी है। सरकार बदलने वाली है। हम चुनावी मैदान में आंकड़ों के साथ आएंगे। हमारे राज्य के युवा को मात्र 10 से 15,000 की सैलरी के लिए बाहर जाना पड़ रहा है। मुझे भी दूसरे राज्य जाना पड़ा, मैं भी यह झेल चुका हूं। 243 सीट है और वीआईपी पार्टी भी अच्छी संख्या के साथ काम करेगी। पिछली बार हमने सीखा है। उसी अनुरूप एक-एक सीट पर समीक्षा करके काम करेंगे। सबका एक ही लक्ष्य होना चाहिए सरकार बनाने का। बिहार में वीआईपी पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता चुनाव लड़ने की इच्छा रखते हैं। किसने कितना संघर्ष किया है, उस अनुसार हम उन्हें पार्टी में जरूर इज्जत देंगे। पार्टी की हर कार्यकर्ता से हम मिलेंगे। रात के 2 बजे तक हमारी बैठक हुई, फिर अभी काम है। हम पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता से मिलेंगे।

नेता का काम है जनता की उम्मीद पर खड़ा उतरना। जो घोषणा करें उसे पूरा करें। जो काम नहीं किया उसका 5 साल में जवाब देना होता है। यहां 20 साल हो चुका है कभी इधर कभी उधर लेकिन मुख्यमंत्री अपने कुर्सी पर कायम है। वे इतने स्वस्थ हैं कि सही से भाषण भी नहीं दे सकते हैं, यह आप सभी को समझने की आवश्यकता है।

डिप्टी सीएम पद के लिए कर रहे हैं दावाः वहीं, दूसरी तरफ सहनी ने सोमवार को मीडिया के सामने उन्होंने कहा की सबकुछ इंटरनली फाइनल हो चुका है, टिकट बंटवारे की घोषणा भी दो दिनों में हो जाएगी। साथ में उपमुख्यमंत्री के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक है क्या, सरकार बनाएंगे और डिप्टी सीएम भी बनेंगे। 2020 के विधानसभा चुनाव से पहले भी मुकेश सहनी ने महागठबंधन की पीसी के ठीक पहले मंच से ही गठबंधन छोड़ने का ऐलान कर सबको चौंका दिया था। सहनी की सीटों की संख्या को लेकर की जा रही अप्रत्याशित मांग और उपमुख्यमंत्री पद की शर्त से महागठबंधन के कई घटक दल असहज बताए जा रहे हैं।

एनडीए में चिराग के साथ सीट बंटवारे पर सस्पेंस बरकरार, एलजेपी (R) की 4 मांग

एजेंसी, पटना

- 40 मिनट चिराग पासवान-धर्मेंद्र प्रधान में बातचीत, जल्द जवाब देने की हुई बात

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही सियासी हलचल तेज हो गई है, लेकिन एनडीए के भीतर सीट बंटवारे को लेकर अभी भी तस्वीर साफ नहीं हो पाई है। जदयू और बीजेपी के बीच सीटों का फॉर्मूला लगभग तय माना जा रहा है, मगर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) यानी चिराग पासवान की पार्टी के साथ समझौते की गांठ अब तक नहीं खुली है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा और जदयू के बीच सीटों को लेकर फॉर्मूला पर सहमति बन चुकी है, लेकिन चिराग पासवान को दिए जाने वाली सीटों की संख्या पर पेंच फंसा हुआ है। चिराग पासवान की पार्टी लगभग 40 सीटों की मांग पर अड़ी हुई है, जबकि बीजेपी उन्हें 22 से 27 सीटों तक सीमित रखने के पक्ष में है। यही एनडीए के अन्दर विवाद का मुख्य कारण बना हुआ है।

चिराग से मुलाकात के लिए दिल्ली पहुंचे धर्मेंद्र प्रधानः एनडीए के भीतर इस खींचतान को सुलझाने के लिए बिहार बीजेपी के चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान आज दिल्ली पहुंचे हैं। उनका मकसद चिराग पासवान को साधना और सीटों पर तालमेल बनाना है। सूत्रों के अनुसार, प्रधान और चिराग के बीच हुई बैठक लगभग 40 मिनट तक चली, जिसमें एलजेपी (रामविलास) की ओर से अपनी मांगें स्पष्ट रूप से रखी गईं। एलजेपी की ओर से कहा गया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जीती गई पांच सीटों के प्रदर्शन के आधार पर पार्टी को विधानसभा में सम्मानजनक सीटें दी जाएं। 2020 के विधानसभा चुनाव में एलजेपी को मिले वोट प्रतिशत को भी सीट बंटवारे के मापदंड में शामिल किया जाए। एलजेपी की जीती हुई प्रत्येक लोकसभा सीट के अंतर्गत कम से कम दो विधानसभा सीटें पार्टी के खाते में आएं। इसके अलावा गोविंदगंज से प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी समेत एलजेपी के कई वरिष्ठ नेताओं की सीटों को लेकर भी पार्टी ने अपनी दावेदारी रखी। बीजेपी की ओर से चिराग पासवान को आश्वासन दिया गया कि उनकी मांगों पर पार्टी स्तर पर चर्चा कर जल्द जवाब दिया जाएगा।

चिराग के साथ मांझी का पेंच भी बाकीः एलजेपी के अलावा एनडीए के एक अन्य घटक हम (हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा) के प्रमुख जीतन राम मांझी के साथ भी सीट बंटवारे को लेकर स्थिति साफ नहीं हो पाई है। मांझी लगभग 20 सीटों की मांग कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि धर्मेंद्र प्रधान मांझी के साथ भी लगातार संवाद बनाए हुए हैं ताकि सभी घटक दलों के बीच एक आम सहमति बन सके।

एनडीए में सीट बंटवारे का ऐलान पटना में संभवः सूत्रों के मुताबिक, अगर आज की बैठक में कोई सकारात्मक परिणाम निकलता है, तो अगले दो से तीन दिनों के भीतर एनडीए में सीट बंटवारे का फाइनल ऐलान कर दिया जाएगा। संभावना जताई जा रही है कि यह ऐलान कल पटना में होने वाली एनडीए की बड़ी बैठक में किया जाएगा। बैठक के दौरान बिहार के मौजूदा चुनावी माहौल, प्रमुख चुनावी मुद्दों और 8 अक्टूबर को रामविलास पासवान की पुण्यतिथि को लेकर तैयारियों पर भी चर्चा की गई।

सुलह की कोशिशें तेजः धर्मेंद्र प्रधान की यह मुलाकात एनडीए में चल रहे गतिरोध को खत्म करने की बड़ी कोशिश मानी जा रही है। पार्टी नेतृत्व चाहता है कि 10 अक्टूबर से पहले सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय कर लिया जाए, ताकि उम्मीदवारों की घोषणा और चुनाव प्रचार की शुरुआत में देरी न हो।

संक्षिप्त समाचार

बिहार विधानसभा आम चुनाव के मद्देनज़र एसएसबी टीम की ब्रीफिंग

बीएनएम @ मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न करने को लेकर सीमा सुरक्षा बल की टीम को अवांछित गतिविधि, सीमा पार आवाजाही एवं गैर क़ानूनी तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

जागिरहा चेवर में मजदूर पर हमला, नकदी और सोने की चेन लूटी

बीएनएम @ तुरकौलिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के जागिरहा चेवर में एक मजदूर पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। हमलावरों ने उसके पास से पाँच हजार रुपये नकद और लगभग पचास हजार रुपये मूल्य का सोने का चेन लूट लिया। जख्मी मजदूर की पहचान चारगाहा वार्ड संख्या 8 निवासी एहतेश्याम के रूप में हुई है। पीड़ित ने थाना में आवेदन देकर अरमान आलम, साहिल साह, साजिद अंसारी समेत पाँच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। एहतेश्याम ने बताया कि वह मंगलवार की शाम बाजार से काम कर बाइक से घर लौट रहा था। जब वह चारगाहा चेवर के पास पहुँचा, तभी आरोपी सड़क किनारे खड़े थे। उन्होंने हाथ देकर उसे रुकवाया और रुकते ही गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि इसके बाद बाइक की चाबी छीन ली और विरोध करने पर लोहे की रॉड से उसके सिर पर वार कर दिया। हमले में उसका सिर फट गया और वह लहूलुहान हो गया। हमलावरों ने उसके पॉकेट से पाँच हजार रुपये और गले से सोने की चेन निकाल ली। इसके बाद उसे जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के बाद राहगीरों की मदद से जख्मी को तुरकौलिया सीएचसी लाया गया, जहाँ से चिकित्सकों ने उसे मोतिहारी सदर अस्पताल रेफर कर दिया। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि केस दर्ज करने के बाद से ही आरोपी परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बाढ़ के पानी में डूबने से दस वर्षीय बच्चे की मौत

बीएनएम @ रामगढ़वा। रामगढ़वा अंचल क्षेत्र के शिवनगर सतपिपरा गांव स्थित पखनाहा लचका के पास मंगलवार की दोपहर बाढ़ के तेज बहाव में डूबने से एक दस वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान शिवनगर गांव निवासी विनोद ठाकुर के पुत्र नितेश ठाकुर के रूप में हुई है। बताया जाता है कि नितेश अपने दोस्तों के साथ बाढ़ के पानी में नहाने गया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने बच्चे की तलाश शुरू की, लेकिन देर शाम तक शव बरामद नहीं हो सका था। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुँचकर खोजबीन में जुटी है।

सखुआ लकड़ी के साथ वन कर्मियों ने किया तस्कर को गिरफ्तार

बीएनएम @ बगहाः वाल्मीकी टाइगर रिजर्व के वन प्रमंडल-2 अंतर्गत गनौली वनक्षेत्र में वन विभाग की टीम ने सखुआ लकड़ी की तस्करी करते एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गनौली वन क्षेत्र पदाधिकारी राजकुमार के नेतृत्व में वनकर्मी लगातार जंगलों में गश्त कर रहे हैं। टीम का उद्देश्य वन्य जीवों की सुरक्षा के साथ-साथ लकड़ी तस्करी पर रोक लगाना है।इसी दौरान वनकक्ष संख्या T-21 में वनकर्मियों की टीम ने एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास सखुआ की लकड़ी मिली। पूछताछ में उसने अपना नाम वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के सखुअनवा गांव निवासी लक्ष्मण धांगड़ बताया। वह जंगल से लकड़ी निकाल कर तस्करी की फिराक में था।वनरक्षी प्रकाश यादव, मुकेश राम और अभय कुमार की टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। वन पदाधिकारी राजकुमार ने बताया कि वन क्षेत्र में लगातार गश्त और निगरानी की जा रही है ताकि अवैध कटाई और वन्यजीव तस्करी पर अंकुश लगाया जा सके।उन्होंने बताया कि वनवर्ती गांवों में विशेष सतर्कता रखी जा रही है ताकि अगर कोई वन्य जीव गलती से गांव में पहुंच जाए तो उसे सुरक्षित रूप से वापस जंगल में छोड़ा जा सके। साथ ही ग्रामीणों के बीच जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें जंगल और वन्यजीवों की रक्षा के लिए प्रेरित किया जा रहा है।गिरफ्तार आरोपी लक्ष्मण धांगड़ को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने की कोशिश भारत की संविधान पर हमला

प्रेस वार्ता करते हैं कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता

बीएनएम @ बगहाः त्रिलोकी आश्रम बगहा स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रमोद सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी. आर. गबई पर जूता फेंकने की कोशिश केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि भारत के संविधान और उसकी आत्मा पर हमला है। यह घटना भारत की न्याय व्यवस्था और सामाजिक न्याय की मूल भावना पर सीधा प्रहार है।कांग्रेस ने कहा कि देश में नफ़रत और भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है, जहाँ संविधान की जगह बुलडोज़र और इंसाफ की जगह डर ने ले ली है। पार्टी ने कहा कि भारत का भविष्य समानता और मानवता पर टिका है, और देश संविधान से चलेगा, किसी की सनक से नहीं।प्रेस विज्ञप्ति में प्रमोद सिंह ने कहा कि "यह वही देश है जहाँ बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने हर व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान का हक दिया। आज जब एक दलित अपने परिश्रम और योग्यता के बल पर देश की सर्वोच्च न्यायिक कुर्सी पर विराजमान हैं, तब कुछ संकीर्ण मानसिकता वाले लोग इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और कहा है कि "यह जूता भारत की संवैधानिक अस्मिता, बाबा साहेब के आदर्शों और देश के दलितों के आत्मसम्मान पर मारा गया है।" कांग्रेस पार्टी ने आह्वान किया कि देश के सभी नागरिक संविधान और न्यायपालिका की गरिमा की रक्षा के लिए एकजुट रहें।

हरसिद्धि मे कृषि कार्यक्रम महज खानापूर्ति, भ्रष्ट अधिकारियों को चुनाव कार्यक्रम से वंचित करने की मांग तेज

सागर सूरज

बीएनएम @ मोतिहारी। हरसिद्धि प्रखण्ड के प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी राघव प्रसाद भ्रष्टाचार और अनियमितता के मामले मे लगातार आरोपों से घिरते जा रहे है । इस प्रखंड मे फसल योजना, उन्नत कृषि तकनीकों के प्रचार प्रसार की भी कागजी खानापूर्ति ने सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को पलीता ही लगाया है। इस प्रखण्ड के कृषि क्षेत्र मे बिचौलिये और दलालों से घिरे प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी को जिले के किस पदाधिकारी का सह प्राप्त है, यह भी जांच का विषय है। इस बीच इनके गतिविधियों के मद्देनजर इनको चुनाव कार्यों से वंचित किये जाने की मांग की जा रही है। यही नहीं यूरिया कालाबाजारी, डीजल अनुदान मे घाल मेल जैसे आरोपों को झेलने के बाद अब इन पर कृषि समन्वयक और पंचायत कृषि सलाहकार की साप्ताहिक बैठक की खानापूर्ति करने के आरोप लगने लगे है। मंगलवार को इस साप्ताहिक बैठक मे भी पूर्व के भांति कई सलाहकार अनुपस्थित रहे। जानकारों ने बताया कि कृषि सलाहकार और समन्वयक मे नयन प्रसाद, अरबिन्द भारद्वाज, देवेन्द्र नाथ सिंह, संतोष पासवान, रंजन सिंह आदि लोग इस साप्ताहिक बैठक मे अनुपस्थित पाए गए। ऐसे लोगों की ऐसे महत्वपूर्ण बैठकों मे अनुपस्थिति कोई नया नहीं है। पूर्व के बैठकों मे भी कई लोग अनुपस्थित होते रहे है या बाद मे आ कर अपनी उपस्थिति का हस्ताक्षर भी बनाते रहे है। इसमे वैसे लोगों को ज्यादा प्रश्रय है, जो प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी के

या तो चहेते है या दबंग है, लेकिन मंगलवार की बैठक का दृश्य ही कुछ दूसरा ही रहा। बैठक के नाम हो रही खानापूर्ति की खबर को लेकर जब मीडिया ने प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी से सवाल किया तो वे कुछ भी बताने से इनकार करते हुए फोन को रख दिया, लेकिन उन्होंने अनुपस्थित लोगों को अनुपस्थित दिखाते हुये अपनी जिम्मेदारियों से खुद को मुक्त कर लिया। सूचना के मुताबिक ना तो कोई शो कॉज जारी की गई और ना ही कोई विशेष कार्रवाई ही की गई। जानकारों के अनुसार कुछ लोग तो टिकट दिलाने के लिए समर्थक के रूप मे अपने चहेते प्रत्याशी के लिए पटना गए थे, तो वही कुछ लोग वोट मांगते हुये व्हाट्सएप के जरिए अपना आवेदन भेज दिया। इस प्रखण्ड मे सरकारी कर्मचारियों द्वारा नेताओं के पक्ष मे प्रचार करने का मामला कोई नया नहीं है। गत दिनों उज्जैन लोहियार के एक मिडिल स्कूल की एक महिला शिक्षिका पर आरोप लगा कि वो किसी पार्टी की चुनाव मे ज्यादा व्यस्त रहती है। स्कूल मे अपनी उपस्थिति बनाते हुये क्लास की जिम्मेदारी अपने पति को दे कर फरार हो जाना उनके लिए आम बात है । प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी को जब कॉम्प्लेन मिला तो उनके हस्तक्षेप के बाद महिला स्कूल मे लौट कर आ सकी ।स्थानीय लोगों ने बताया कि प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे है। इनके नेतृव मे यूरिया की जिस तरह से कालाबाजारी हुई है वो पूरे जिले के लिए नजीर है। कृषि की सभी योजनाओं से सही लाभार्थियों को वंचित रखने का मामला भी हमेशा से सवालों मे रहा है। फिर भी ना तो जिला कृषि पदाधिकारी और ना ही जिलाधिकारी इन पर आज तक कोई संज्ञान लिया है। ऐसे मे ऐसे व्यक्ति को चुनाव कार्य से वंचित रखने की मांग भी तेज हो गई है ।

आरएनबीएस इंटर कॉलेज की संरक्षक बनी विधायक शालिनी मिश्रा

बीएनएम @ मोतिहारी

चकिया अनुमंडल के कल्याणपुर प्रखंड अंतर्गत माधोपुर गोविन्द स्थित रूप नारायण भवन सिंह इंटर कॉलेज जिसका संचालन विगत दो वर्षो से वत्स भारती सोसाइटी द्वारा हो रहा है जहाँ क्षेत्र के विभिन्न स्थानों के छात्र छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इस कॉलेज का स्थापना शिक्षाविद उमेश सिंह द्वारा उनके पूज्य दादा स्व. भवन सिंह एवं पिता जी स्व. रूप नारायण सिंह के पुण्य स्मृति में विशेष कर ग्रामीण परिवेश के आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर बच्चों को गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करने के उदेश्य से किया गया है। इंटर कॉलेज को बिहार विद्यालय परीक्षा समिति पटना द्वारा वर्ष 2023 में मान्यता प्रदान की गई। कॉलेज प्रबंधन समिति ने एक बैठक आयोजित कर संरक्षक नियुक्त करने का प्रस्ताव पारित किया जिसके बाद केसरिया विधायक शालिनी मिश्रा को आरएनबीएस इंटर कॉलेज का संरक्षक नियुक्त किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के निदेशक सत्यम कार्तिकेय वत्स ने नियुक्ति पत्र श्रीमती मिश्रा को प्रदान किये। विधायक शालिनी मिश्रा ने कॉलेज प्रबंधन समिति को उचित मार्गदर्शन, शिक्षण प्रणाली में आधुनिकीकरण, कौशल प्रशिक्षण, छात्र छात्राओं के सर्वांगीन विकास के दिशा में निरंतर सहयोग करने का आश्वासन दी। उन्होंने ने कॉलेज प्रबंधन समिती के बैठको में भी भाग लेने की बात कही। मौके पर कॉलेज प्राचार्य अविनाश चंद्रा, प्रशासक पूजा वत्स, कोऑर्डिनेटर सुन्दर विशाल, सहायक मदन बैठा, शिक्षक श्याम पासवान एवं शिक्षिका ज्ञान्ति राम ने विधायक शालिनी मिश्रा जी को बधाई दिए।

भारत का लोकतंत्र 140 करोड़ भारतीयों की आस्था का प्रतीक, इसकी गरिमा पर हमला बर्दाश्त नहीं: गप्पू राय

बीएनएम @ मोतिहारी

देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) पर जूता फेंकने की घटना को लेकर कांग्रेस नेता गप्पू राय ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह कृत्य केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि भारतीय संविधान, न्यायपालिका और लोकतंत्र की गरिमा पर सीधा प्रहार है। गप्पू राय ने कहा, "न्यायपालिका देश का अंतिम सहारा है। यदि न्याय के मंदिर पर इस तरह का हमला होता है, तो यह देश की आत्मा को चोट पहुँचाने जैसा है। यह घटना निंदनीय, शर्मनाक और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है।" उन्होंने बताया कि इस घटना के विरोध में जिला कांग्रेस कमिटी की बैठक हुई, जिसमें निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। गप्पू राय ने कहा कि "जो लोग आज संविधान पर हमला कर रहे हैं, वे असल में महात्मा गांधी और बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के सपनों के भारत पर प्रहार कर रहे हैं। संविधान हमें समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी देता है — इन मूल्यों की रक्षा हर नागरिक का कर्तव्य है।" उन्होंने कहा कि देश में जिस प्रकार असहिष्णुता और नफरत का वातावरण तैयार किया जा रहा है, उसका असर समाज से लेकर संवैधानिक संस्थाओं तक दिखने लगा है। "न्यायपालिका की गरिमा की रक्षा करना केवल अदालतों का नहीं, बल्कि पूरे देश का दायित्व है," उन्होंने कहा। गप्पू राय ने अपील की

कि "सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों को संविधान की रक्षा के लिए एकजुट होना चाहिए। भारत का लोकतंत्र किसी व्यक्ति विशेष की नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की आस्था का प्रतीक है, और उसकी गरिमा पर हमला किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।"

जिला के सभी 12 विधानसभा के निर्वाची पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाची पदाधिकारियों के साथ जिलाधिकारी ने बैठक कर चुनाव तैयारी की समीक्षा

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा दिनांक 6.10.2025 को समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभा भवन में पूर्वी चंपारण जिला के सभी 12 विधानसभाओं के निर्वाची पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाची पदाधिकारियो के साथ बैठक कर बिहार विधानसभा आम निर्वाचन- 2025 के तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष, भयमुक्त, पारदर्शी एवं सहभागिता पूर्ण वातावरण में बिहार विधानसभा निर्वाचन संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। जिलाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रेस नोट जारी होते ही जिला में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। इसका अक्षरशः अनुपालन का निर्देश दिया गया तथा इसकी अवहेलना या उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध विधि सम्मत सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। आयोग के निर्देश के अनुसार किसी भी मतदाता या मतदाताओं के पॉकेट्स को डराने धमकाने अथवा प्रलोभन के विरुद्ध सघन अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन व्यय के अनुश्रवण के लिए टीम 24 घंटे सक्रिय रहेगी। इसके लिए कंट्रोल रूम नंबर भी जारी किए गए हैं। चुनाव के दरमियान एसएसटी एवं फ्लाइंग स्क्वायड लगातार क्रियाशील रहेगा। सेक्टर पदाधिकारी, उत्पाद विभाग की टीम, वीडियो व्यूइंग टीम भी सतत क्रियाशील रहेगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा निर्वाचन के सुचारू रूप से संचालन के लिए सभी कोषांगों के वरीय एवं नोडल पदाधिकारी निर्धारित दायित्वों का अनुपालन करते हुए अंतर्कोषंगीय समन्वय के साथ चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराएंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि चुनाव का हर एक चरण अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। नाम निर्देशन, संविक्षा, अभ्यर्थिता वापसी, प्रतीक चिन्ह आवंटन, मतदान, मतगणना सहित निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया की समाप्ति तक सभी पदाधिकारी को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अक्षरसह अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। जिलाधिकारी के द्वारा उत्कृष्ट कम्युनिकेशन प्लान बना लेने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि सुगम एवं समावेशी चुनाव कराने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं। जिला प्रशासन लोकतंत्र के इस उत्सव को एक सुखद अनुभव बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए सभी मतदान केंद्रों पर न्यूनतम जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। सभी मतदान केंद्रों पर रैंप की सुविधा, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, शौचालय, बिजली, साइनेज, हेल्पडेस्क आदि की व्यवस्था रहेगी। डीएम ने कहा कि दिव्यांगजन मतदाताओं एवं वरिष्ठ मतदाताओं की जरूरातों के प्रति प्रशासन जागरुक एवं सतर्क है एवं उनके लिए सुलभ चुनाव सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप फ्री एंड फेयर चुनाव के सभी पहलुओं को सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर टेक्नोलॉजी का भी उपयोग किया जा रहा है। मतदाताओं के लिए वोटर हेल्पलाइन ऐप की सुविधा उपलब्ध है। जिलाधिकारी के द्वारा विधानसभाओं के निर्वाची पदाधिकारियो को नामांकन प्रक्रिया की पूर्ण तैयारी कर लेने का निर्देश दिया गया और नामांकन के दौरान अपनाई जाने वाली सभी प्रक्रियाओं का सावधानी से अनुपालन करने का निर्देश दिया गया। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी के साथ नगर आयुक्त,अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त, सभी छः अनुमंडल के अनुमंडल पदाधिकारी, डीसीएलआर, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

हरसिद्धि में नए बीडीओ गुलशन कुमार ने संभाला पदभार, बोले- निष्पक्ष चुनाव और विकास दोनों ही मेरी प्राथमिकता

बीएनएम @ हरसिद्धि

प्रखंड मुख्यालय में नए प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) गुलशन कुमार ने विधिवत रूप से पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि विकास के हर क्षेत्र में हरसिद्धि प्रखंड को आगे ले जाना उनका मुख्य लक्ष्य है। बीडीओ गुलशन कुमार ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, यह सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रखंड के सभी विभागों के बीच आपसी समन्वय और पारदर्शिता के साथ कार्य कर विकास कार्यों को गति दी जाएगी। इस अवसर पर प्रखंड के कई कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय पत्रकार उपस्थित रहे। सभी ने नए बीडीओ के आगमन पर उनका स्वागत किया और उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दीं।

रामगढ़वा पुलिस ने नेपाली तस्कर को 11 किलो गांजा के साथ किया गिरफ्तार

बीएनएम @ रामगढ़वा

रामगढ़वा पुलिस ने नारकोटिक्स के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक नेपाली तस्कर को 11 किलो नेपाली गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान नेपाल के ठोड़ी निवासी राकेश चौधरी के पुत्र समीर चौधरी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, तस्कर मोटरसाइकिल में गांजा छिपाकर ला रहा था। थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पिपरपाती रोड पर वाहनों की सघन जांच शुरू की। इसी दौरान संदिग्ध बाइक को रोककर तलाशी ली गई, तो लाल प्लास्टिक की पन्नी में दो बंडल में छिपाकर रखा गया 11 किलो गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने बाइक (रजिस्ट्रेशन संख्या– BR 22 AG 4880) को भी जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि तस्कर से पूछताछ जारी है और उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई को नशे के खिलाफ अभियान में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

निर्वाचन तैयारियों में पारदर्शिता और समयबद्धता को बताया सर्वोच्च प्राथमिकता : डीएम

बीएनएम @ समस्तीपुर। आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारियों को लेकर मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी रोशन कुशवाहा ने कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र (संख्या–131) अंतर्गत स्थापित सिंगल विंडो केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नामांकन से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि "नामांकन प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी, सुव्यवस्थित और समयबद्ध ढंग से संपन्न होनी चाहिए।"निरीक्षण के क्रम में डीएम ने नामांकन स्थल पर बनाए गए विभिन्न काउंटरों, अभ्यर्थियों के प्रवेश मार्ग, रसीद काउंटर, मीडिया वेटिंग एरिया, सीसीटीवी व्यवस्था, सुरक्षा प्वाइंट और अभ्यर्थियों की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा मतदाताओं और अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक प्रबंध पहले से दुरुस्त रहें।डीएम कुशवाहा ने कहा कि विधानसभा चुनाव लोकतंत्र का महापर्व है, इसे शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त माहौल में संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।इस अवसर पर निर्वाची पदाधिकारी-सह-सदर अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार ने भी उपस्थित कर्मियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करने और हर कार्य को पूरी गंभीरता से करने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। डीएम ने समग्र तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरे किए जाएँ, ताकि कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो सके।

शैर गांव में किसान की मौत

बीएनएम @ जमुई / झाझा। मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र के शैर गांव में एक बुजुर्ग किसान की खेत में गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव के 70 वर्षीय नारायण मंडल के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार, नारायण मंडल सुबह भोजन करने के बाद खेत में लगी धान की फसल देखने गए थे। खेत की ओर जाने के दौरान पगडंडी पर उनका पैर फिसल गया, जिससे वे खेत में गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना स्थल पर मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें तत्काल उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा पहुंचाया, जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. सत्यजीत प्रियदर्शी ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना से गांव में शोक की लहर फैल गई है। परिजन दादा की असमय मौत से गमगीन हैं। ग्रामीणों ने बताया कि नारायण मंडल खेती-किसानी से जुड़े शांत स्वभाव के व्यक्ति थे और अक्सर सुबह-शाम अपने खेतों की देखरेख करने जाया करते थे। डॉक्टर के मृत घोषित किए जाने के बाद परिजनों ने शव को अस्पताल से उठाकर घर ले गया।

फेक आईडी बनाकर स्वास्थ्य प्रबंधक के नाम पर ठगी की कोशिश

बीएनएम @ जमुई / झाझा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा के स्वास्थ्य प्रबंधक का फेक आईडी किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बना लिया गया है। फेक व्हाट्सएप्प अकाउंट बनाकर अपराधी लोगों से पैसे की मांग कर रहे हैं। बताया जाता है कि 6264039609 नंबर वाले व्हाट्सएप्प अकाउंट पर स्वास्थ्य प्रबंधक की तस्वीर लगाकर ठग लोगों को संदेश भेज रहे हैं और विभिन्न बहाने से रुपये की मांग कर रहे हैं। स्वास्थ्य प्रबंधक ने बताया कि उनकी जानकारी के बिना किसी ने फेक आईडी तैयार कर ली है और अब उनके नाम पर ठगी करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि किसी भी स्थिति में ऐसे संदेशों पर भरोसा न करें और पैसे की मांग करने वालों को कोई राशि न दें। उन्होंने कहा कि इस संबंध में लिखित शिकायत साइबर थाना में दी जाएगी ताकि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब ठगों का निशाना आम नागरिकों के साथ-साथ सरकारी कर्मचारी भी बनने लगे हैं। आए दिन इस तरह के साइबर अपराध के मामले बढ़ते जा रहे हैं, जिससे लोगों में चिंता का माहौल है। स्वास्थ्य प्रबंधक ने कहा कि सोशल मीडिया पर सावधानी बरतना जरूरी है और किसी भी संदिग्ध लिंक या मैसेज का जवाब देने से पहले उसकी सत्यता अवश्य जांचें।

मारपीट में घायल

बीएनएम @ जमुई / झाझा – सोमवार की रात 8 बजे झाझा थानाक्षेत्र के तत्वाडीह गांव के रहने वाले छंटकी यादव के साथ गांव के ही आधा दर्जनभर लोगों ने पकड़कर सुनसान जगह पर ले जाकर बेरहमी से मारपीट कर घायल कर दिया। परिजनों को घटना की सूचना मिलने पर परिजन घटना स्थल पर पहुंचकर डायल 112 की पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस लोगों की मदद से इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया जहां उसका इलाज हुआ। घायल के पिता ने बताया कि जमीन की पुरानी रंजिश को लेकर श्याम यादव, लल्लूआ, कन्हाई यादव एवं अन्य लोग ने मेरे बेटे के साथ घटना को अंजाम दिया।

बैनर पोस्टर हटाने का सिलसिला शुरू

बीएनएम @ जमुई/झाझा। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सोमवार को आचार संहिता लागू होने के बाद ही प्रखण्ड क्षेत्र में राजनीतिक एवं सामाजिक संगठन के लगे बैनर पोस्टर हटाने का सिलसिला जारी हो गया था। मंगलवार की सुबह से ही नगर क्षेत्र में नप कार्यालय की ओर से नगर क्षेत्र में चौक चौराहों सहित अन्य स्थलों पर लगे सभी तरह के बैनर पोस्टर को हटाया गया। इसके अलावे दीवारों पर राजनीति एवं सामाजिक संगठन के द्वारा पेंटिंग के माध्यम से जितने प्रकार के सन्देश व बधाई सम्बंधित श्लोगन लिखा हुआ था उसे भी नप कर्मियों के द्वारा दीवार से मिटाने का काम किया। नगर क्षेत्र में किसी भी तरह की कोई पोस्टर बैनर लगा न रहे इसके लिए ईओ डॉक्टर जनार्दन प्रसाद वर्मा ने स्वयं घूमघूम कर इसपर विशेष ध्यान दिया जा रहा था।

शिक्षा विभाग : अपर मुख्य सचिव ने जिला शिक्षा पदाधिकारियों को दिए निर्देश

विशिष्ट शिक्षकों के वेतन निर्धारण के लिए राज्य स्तर से जारी होगा एसओपी

बीएनएम @ पटना

बिहार शिक्षा विभाग ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अब विशिष्ट शिक्षकों के वेतन निर्धारण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) राज्य स्तर से ही जारी की जाएगी। आयोजित विभागीय वीडियो कॉन्फ्रेंस (VC) में अपर मुख्य सचिव (ACS) बी. राजेंद्र ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों (DEO) को इस संबंध में निर्देश दिए।ACS ने कहा कि कई जिलों में वेतन निर्धारण की प्रक्रिया अलग-अलग तरीके से की जा रही थी, जिससे भ्रम और असमानता की स्थिति बन रही थी। इसे समाप्त करने के लिए राज्य स्तर से एक समान दिशा-निर्देश तैयार किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य मुख्यालय द्वारा जारी SOP के आधार पर ही आगे सभी जिलों में वेतन निर्धारण किया जाएगा ताकि शिक्षकों को समय पर और सटीक भुगतान सुनिश्चित हो सके। राज्य सरकार का मानना है कि एकीकृत प्रक्रिया लागू होने से न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि अनावश्यक विवादों पर भी रोक लगेगी। विभाग ने जिलों को चेतावनी दी है कि SOP जारी होने के बाद किसी भी स्तर पर मनमानी या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि SOP में वेतन निर्धारण की विस्तृत प्रक्रिया, दस्तावेजों की जांच, और स्वीकृति की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से परिभाषित की जाएगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि सभी विशिष्ट शिक्षकों को समान मानकों के तहत लाभ मिले।इस फैसले को शिक्षकों के हित में बड़ा कदम माना जा रहा है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, SOP का मसौदा अंतिम चरण में है और इसे शीघ्र ही सभी जिलों को भेज दिया जाएगा। इससे शिक्षकों के वेतन निर्धारण में वर्षों से चली आ रही असमानता और देरी की समस्या का समाधान होने की उम्मीद है।

पुलिस और अर्धसैनिक बलों का फ्लैग मार्च

फ्लैग मार्च में शामिल अर्धसैनिक बल के जवान

बीएनएम @ समस्तीपुर

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की घोषणा के साथ ही पूरे राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। इसके बाद जिले में प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। इसी क्रम में मंगलवार को मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र में स्थानीय पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च निकाला।फ्लैग मार्च के दौरान पुलिसकर्मियों ने क्षेत्र के मुख्य सड़कों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में भ्रमण किया। इस दौरान लोगों से शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान में सहयोग करने की अपील की गई।थाना प्रभारी ने बताया कि विधानसभा चुनाव के मद्देनजर क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार गश्त की जा रही है। किसी भी तरह की अफवाह या अनुचित गतिविधियों पर प्रशासन की कड़ी नजर है।उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान भयमुक्त माहौल में मतदान संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस एवं प्रशासन जनता से अपील करता है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत थाने या प्रशासन को दें।

आचार संहिता लागू होते ही सक्रिय हुआ प्रशासन,हटाए गये बैनर पोटर

बीएनएम @ जमुई

बिहार विधानसभा चुनाव–2025 की घोषणा के साथ ही पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। इसके साथ ही जमुई जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बैनर, पोस्टर, होर्डिंग और दीवार लेखन हटाने का व्यापक अभियान शुरू कर दिया है।जिलाधिकारी–सह–जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री नवीन के निर्देश पर सोमवार से प्रशासनिक टीमों ने नगर परिषद क्षेत्र, प्रखंड मुख्यालयों और प्रमुख चौक–चौराहों पर सघन अभियान चलाया। सरकारी भवनों, स्कूल परिसरों, विद्युत पोल, बस स्टैंड और सार्वजनिक स्थलों पर लगे राजनीतिक बैनर व प्रचार सामग्री को तत्काल प्रभाव से हटाया जा रहा है।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आचार संहिता लागू होने के बाद किसी भी राजनीतिक दल या प्रत्याशी को सरकारी या सार्वजनिक संपत्ति का उपयोग प्रचार–प्रसार के लिए करने की अनुमति नहीं है। उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।डीएम ने बताया कि प्रत्येक अंचल में विशेष निगरानी दल गठित कर दिए गए हैं, जो निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। वहीं पुलिस विभाग भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर नजर बनाए हुए है ताकि किसी प्रकार की भ्रामक या आचार संहिता विरुद्ध गतिविधि न हो सके।नगर क्षेत्र के साथ–साथ ग्रामीण इलाकों में भी दीवारों से पुराने पोस्टर और राजनीतिक स्लोगन हटाए जा रहे हैं। इस दौरान आम जनता और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को आचार संहिता से संबंधित दिशा–निर्देशों की जानकारी दी जा रही है।

महात्मा गांधी की कर्मभूमि चंपारण में पत्रकारों का सांकेतिक धरना

» गैर मान्यता प्राप्त पत्रकारों को भी मिले पेंशन का लाभ

बीएनएम @ बगहा

धरना देते पत्रकार संघ के लोग

महात्मा गांधी की कर्मभूमि चंपारण में गैर-मान्यता प्राप्त और ग्रामीण पत्रकारों को पेंशन योजना का लाभ दिलाने की मांग को लेकर सोमवार को पत्रकारों ने कलेक्ट्रेट परिसर में एक दिवसीय सांकेतिक धरना दिया।धरना के बाद, अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति की पश्चिम चंपारण शाखा के अध्यक्ष मधुकर मिश्रा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला पदाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को संबोधित ज्ञापन सौंपा।पत्रकारों ने पेंशन राशि 6,000 से बढ़ाकर 15,000 करने के बिहार सरकार के कदम का स्वागत किया, लेकिन यह बताया कि यह योजना केवल "मान्यता प्राप्त" पत्रकारों तक सीमित है, जिससे जिले, अनुमंडल, प्रखंड और पंचायत स्तर पर कार्यरत हजारों पत्रकार वंचित हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रामीण पत्रकार समाज की आवाज उठाते हैं, पर उन्हें वेतन, पेंशन, सुरक्षा, या स्वास्थ्य सुविधा जैसे कोई लाभ नहीं मिलते। अधिकांश मीडिया संस्थान ग्रामीण पत्रकारों से खबरें तो लेते हैं, पर उन्हें "स्थायी पत्रकार" मानने से इनकार करते हैं।ज्ञापन में रखी गई प्रमुख मांगें:सभी ग्रामीण और गैर-मान्यता प्राप्त पत्रकारों को पेंशन योजना में शामिल किया जाए।पत्रकारों और उनके परिवारों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा योजना लागू हो।पंचायत से लेकर संसद स्तर तक पत्रकार आयोग का गठन किया जाए।पेंशन की पात्रता अवधि 20 वर्ष से घटाकर 10 वर्ष, और उम्र सीमा 60 से घटाकर 50 वर्ष की जाए।छोटे और लघु समाचार पत्रों को सरकारी विज्ञापन व अनुदान की सुविधा मिले।ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि सरकार ने शीघ्र कदम नहीं उठाए, तो चंपारण की धरती से "पत्रकार सत्याग्रह" की शुरुआत की जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी राज्य और केंद्र सरकार की होगी।ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह जिला अध्यक्ष मधुकर मिश्र, प्रदेश से आए मनोज सिन्हा, वीरेश कुमार सिंह, आज के ब्यूरो चीफ प्रेमचंद पांडेय, गरीब दर्शन के ब्यूरो चीफ विनय कुमार, निरंकार भास्कर, रजी अहमद, राजकुमार पासवान संजय कुमार पांडे जितेंद्र कुमार बिट्टू रवि रंजन कुमार पांडे मनीष कुमार, प्रदीप दुबे, नंदकिशोर पांडे, वकीलऊर्रहमान खान, अभिषेक कुमार द्विवेदी, नरेंद्र तिवारी, राजन कुमार मिश्रा, विकास कुमार, रमेश ठाकुर, धर्मेंद्र श्रॉफ, धनंजय भारती आदि सहित जिले के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के अनेक पत्रकार मौजूद रहे।

वाल्मीकिनगर के संगम तट पर 147 वीं नारायणी गंडकी महाआरती

बीएनएम @ बगहा

शरद पूर्णिमा की नारायणी गंडकी महाआरती कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण संवर्धन पर जोर

महा आरती करते श्रद्धालु

भारत नेपाल सीमा पर अवस्थित बेलवा घाट परिसर में अंतरराष्ट्रीय न्यास स्वरांजलि सेवा संस्थान द्वारा शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर 147 वीं नारायणी गंडकी महा आरती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी आकाश कुमार ,कृषि वैज्ञानिक विनय कुमार सिंह, स्वरांजलि सेवा संस्थान की राष्ट्रीय अध्यक्षा अंजु देवी, संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर संगीत आनंद, निर्माता एचेल थारू, फाइटर जयदेव कुमार, अभिनेता चंद्रभान कुमार, सत्येंद्र सिंह सुमन सिंह ,एवं सीताराम शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया। मुख्य अतिथि आकाश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ग्लोबल वार्मिंग खतरे की घंटी बजा रही है। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण संवर्धन हेतु विगत 12 वर्षों से निरंतर यह महा आरती होती आ रही है। कृषि वैज्ञानिक विनय कुमार ने कहा कि संगम तट पर होने वाली यह महा आरती वाल्मीकि नगर की एक पहचान है। इस नदी में विष्णु भगवान शालिग्राम के रूप में पाए जाते हैं। समाजसेवी संगीत आनंद ने कहा कि संस्था द्वारा विगत 13 वर्षों से लावारिस दिव्यांगजनों की सेवा की जा रही है। निर्माता एचेल थारू ने कहा कि थरुहट के कलाकारों को भी इस संस्थान द्वारा एक मंच प्रदान किया जाता है । इस दिन चंद्रमा की रोशनी में खीर रखने का विशेष महत्व है। इस मौके पर रेखा थापा, अर्पिता कुमारी, आचार्य पंडित रामेश्वर मिश्रा, हीरी मती देवी, श्याम कुमार, राहुल शर्मा, कुमार फाउंडेशन के धर्मेंद्र कुमार, सनी यादव, मनीष चौहान, अर्पिता सिंह, पंडित रामेश्वर मिश्रा, समाजसेवी तापस टैगोर,आदि की भूमिका सराहनीय रही। संस्था के सामाजिक और धार्मिक कार्यों में विशेष सहयोग प्रदान करने हेतु फौजी संतोष कुमार थापा, फौजी विद्यासागर राणा, धर्मपाल गुरु वशिष्ठ जी महाराज, पवन भट्टराई, भक्त श्री कृष्णा पांडे, कथाकार एम.शफी, वर्ल्ड मीडिया इन्फोटेनमेंट के सीईओ राजेश कुमार गुप्ता, विजय कुमार, एवं शंकर वाटिका के संस्थापक धर्मेंद्र कुमार गुप्ता की भूरि भूरि प्रशंसा हुई। संचालन संगीत आनंद ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन फाइटर जयदेव कुमार ने किया। पर्यावरण की रक्षा , मानव रक्षा आदि नारों से कार्यक्रम स्थल गुंजायमान होता रहा।

सीआरपीएफ और पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

फ्लैग मार्च में शामिल पुलिस

बीएनएम @ पकरीबरावा

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासनिक सतर्कता बढ़ा दी गई है। मंगलवार को पकरीबरावां प्रखंड मुख्यालय क्षेत्रों में पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च निकाला गया। यह फ्लैग मार्च नव पदस्थापित थानाध्यक्ष रंजन चौधरी की देखने में किया गया। जहां फ्लैग मार्च थाना परिसर से निकलकर पकरीबरावां मुख्य बाजार, दोस्तलीबिघा, राइस मोड़ सहित कई स्थानों का मार्च किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने में सहयोग करने की अपील की है।वहीं थानाध्यक्ष ने बताया कि चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न करने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। किसी भी तरह की सामाजिक गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने संवेदनशील इलाकों का भी दौरा किया।

162 लीटर शराब के साथ दो गिरफ्तार

लछुआड़ पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार कुंडघाट के समीप से किया गिरफ्तार

बीएनएम @सिकंदरा

लछुआड़ थाना क्षेत्र के कुंडघाट के समीप से मंगलवार को लछुआड़ पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर लग्जरी कार से 162 लीटर विदेशी शराब के साथ दो शराब तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी देते हुए लछुआड़ थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार पाठक ने बताया कि गुप्त सूचना मिल रही थी कि जन्मस्थान के रास्ते से अवैध शराब की ढुलाई हो रही है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस अलर्ट मोड में थी। इसके बाद जन्मस्थान की ओर से आ रही टोयोटा के एक लग्जरी कार को रुकवा कर तलाशी ली गई। इस दौरान कार से 432 बोतल 375 एमएल का रॉयल स्टैग, रॉयल चैलेंज, ब्लेंडर प्राइड टोटल 162 लीटर शराब के साथ कार को जब्त कर लिया गया। कार के साथ शराब तस्कर मुजफ्फरपुर जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र के शाजपुर गांव निवासी विकास कुमार पिता नन्की साह एवं बोचहा थाना क्षेत्र के मान बिशनपुर निवासी राजा कुमार पिता पप्पू साह को गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार शराब तस्कर को जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

बड़ी लक्ष्मी मंदिर में स्थापित हुई मां लक्ष्मी की प्रतिमा

पूजा अर्चना करते श्रद्धालु

बीएनएम @सिकंदरा

सिकंदरा नगर मुख्यालय पुरानी दुर्गा स्थान परिसर के समीप मां लक्ष्मी मंदिर में सोमवार कि देर शाम मां लक्ष्मी की प्रतिमा का ब्राह्मणों के द्वारा आह्वान कर मंत्रोच्चारण के साथ मां का पट खोला गया। पट खुलते ही काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना की। बता दें कि मां लक्ष्मी की पूजा को लेकर दो दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है। इस मेले में प्रखंड के विभिन्न गांव से श्रद्धालु आकर मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना करते हैं। बताया जाता है कि मां लक्ष्मी का मंदिर श्री श्री 108 बड़ी लक्ष्मी मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। मंदिर में मां लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित कर 1951 ईस्वी से पूजा की जा रही है। मेले को लेकर लक्ष्मी महारानी पूजा समिति के आयोजन फ्रेंड्स क्लब सिकंदरा मंदिर कमेटी के सदस्य तन मन से लगे हैं। इस दौरान ब्राह्मण विजय पांडेय के द्वारा मंत्र उच्चारण किया गया एवं यजमान गुड्डू बाबा पूजा पर बैठे हुए थे। मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना मंत्रोच्चारण के साथ किया गया। लक्ष्मी मंदिर समिति के सेवायत अध्यक्ष बालेश्वर माली, अध्यक्ष उपेंद्र नायक, सचिव प्रवीण वर्णवाल, कोषाध्यक्ष रंजीत वर्णवाल, सचिव विजय मिश्रा, मूर्ति कारीगर सुरेंद्र पंडित, लाल हलवाई , अजय हलवाई, टुनटुन स्वर्णकार आदि सदस्य शामिल हैं।

सहरसा : नकाबपोश अपराधियों ने निजी क्लिनिक के मैनेजर एवं गार्ड को पिटा

बीएनएम @ पटना/सहरसा

घटनास्थल पर जांच करती पुलिस

जिले के नया बाजार क्षेत्र में बीती रात एक निजी अस्पताल में ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना ने इलाके में दहशत फैलाया। सत्यम हॉस्पिटल के मैनेजर मुकेश ठाकुर पर अज्ञात नकाबपोश अपराधियों ने गोली चलाई, जबकि विरोध करने पर सुरक्षा गार्ड को रॉड से पीटकर घायल कर दिया गया।जानकारी के मुताबिक, मुकेश ठाकुर और सुरक्षा गार्ड अस्पताल के पास स्थित डॉक्टर के निजी आवास की ओर कैश लेकर जा रहे थे। तभी दो नकाबपोश हथियारबंद अपराधियों ने उन्हें घेर लिया और कैश लूटने की कोशिश की। विरोध करने पर अपराधियों ने ताबड़तोड़ गोली चला दी, जिसमें मुकेश के पेट में लगी गोली से उनकी हालत गंभीर हो गई। घायल गार्ड का भी इलाज जारी है। घटना के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए।घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ आलोक कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया गया है। पुलिस आसपास के CCTV फुटेज खंगाल रही है और मामले की जांच कई एंगल से की जा रही है।घटना के बाद नया बाजार और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पुलिस गश्ती में लापरवाही का आरोप लगाते हुए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए हैं।विश्लेषकों का कहना है कि इस तरह की वारदातें इलाके में अपराधियों के हौसले बढ़ा रही हैं और प्रशासन के लिए सख्त कदम उठाना अब अनिवार्य हो गया है।

स्टेबलकॉइन की चुनौती

वित्त मंत्री के बयान को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए कि बदले हालात में तमाम देश अब स्टेबलकॉइन्स को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इसलिए कि स्टेबलकॉइन जैसे आविष्कार मुद्रा एवं पूंजी के प्रवाह का रूप बदल रहे हैं। डॉनल्ड ट्रंप के दौर में क्रिप्टो करेंसी- खासकर स्टेबलकॉइन्स को मिली स्वीकृति तमाम देश के लिए एक चुनौती के रूप में आई है। ट्रंप काल से पहले क्रिप्टो बाजार पूरी तरह निजी क्षेत्र में था। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल खुद ट्रंप क्रिप्टो करेंसी को लेकर अस्वीकार का भाव रखते थे। मगर दूसरे कार्यकाल में ना सिर्फ वे और उनके परिजन इस कारोबार में शामिल हुए हैं, बल्कि अमेरिकी मौद्रिक व्यवस्था में भी इसे जगह देने का प्रावधान उन्होंने किया है। स्टेबलकॉइन्स में, और उसके जरिए निवेश का रास्ता उनके प्रशासन ने तैयार किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन के इस बयान को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए कि अन्य देशों को पसंद हो या नहीं, लेकिन अब वे स्टेबलकॉइन्स को नजरअंदाज नहीं कर सकते। सीतारमन ने कहा- 'स्टेबलकॉइन जैसे आविष्कार मुद्रा एवं पूंजी के प्रवाह का रूप बदल रहे हैं। वित्त मंत्री की यह समझ भारतीय रिजर्व बैंक के रुख से बिल्कुल अलग है। रिजर्व बैंक ने अपनी डिजिटल करेंसी तो शुरू की है, लेकिन प्राइवेट क्रिप्टो मुद्राओं पर प्रतिबंध के पक्ष में रहा है। बहरहाल, अब बदले अमेरिकी रुख ने स्थिति बदल दी है। खबर है कि इस आशंका से ग्रस्त होकर कि स्टेबलकॉइन के जरिए अमेरिका वित्तीय पूंजी बड़े पैमाने पर अपनी तरफ खींच सकता है, चीन भी हांगकांग के रास्ते अपना युवान आधारित स्टेबलकॉइन लॉन्च करने की तैयारी में है। स्टेबलकॉइन क्रिप्टो करेंसी ही होते हैं, लेकिन उनका मूल्य किसी देश की मुद्रा के मूल्य से जुड़ा होता है। अब तक यह मुद्रा अमेरिकी डॉलर ही है, लेकिन जल्द ही युवान से जुड़े स्टेबलकॉइन भी बाजार में आ सकते हैं। इस घटनाक्रम से चुनौती यही पेश आएगी कि निवेशकों को पैसा लगाने का अटकल आधारित एक और बाजार मिल जाएगा। इससे वास्तविक अर्थव्यवस्था के लिए पूंजी का अभाव और बढ़ सकता है। भारत जैसे देश के लिए, जहां पहले ही अर्थव्यवस्था का जरूरत से ज्यादा वित्तीयकरण हो चुका है, यह एक नई चुनौती है। वित्त मंत्री ने इसे समझा है- यह अच्छी बात है। लेकिन इसके बरक्स उनके पास क्या योजना है, असल सवाल यह है।

जहरीली दवा बनी अभिशाप

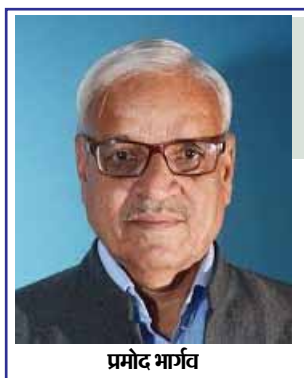

प्रमोद भार्गव

मध्यप्रदेश और राजस्थान में सर्दी-खांसी की दवा के सेवन से 16 बच्चों की मौत हो गई। इन बच्चों को कोल्ड्रिफ कफ सीरप स्वास्थ्य लाभ के लिए दिया गया था, किंतु वह मौत का कारण बन गया। इसकी गुणवत्ता संदेह के दायरे में है। मध्य प्रदेश के खाद्य एवं दवा नियंत्रक दिनेश कुमार मौर्य ने कहा है कि संदिग्ध सिरप को परीक्षण के लिए 1 अक्टूबर को तमिलनाडु भेजा था। इसकी रिपोर्ट तीसरे दिन मिल गई थी। किंतु मप्र में 29 सितंबर से जांच जारी है, जो अभी तक पूरी नहीं हुई। जबकि इसी बीच स्वास्थ्य विभाग का कार्य देख रहे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सार्वजनिक बयान दे दिया कि सीरप के नौ नमूनों में हानिकारक तत्व नहीं मिले हैं। यह सीरप श्रीसन कंपनी बनाती है, जिसकी उत्पादन इकाई तमिलनाडु के कांचीपुरम में है। मप्र सरकार के कहने पर तमिलनाडु सरकार के औषधि प्रशासन विभाग ने कंपनी की उत्पादन इकाई से नमूने लेकर जांच की तो एसआर-13 बैच में हानिकारक रसायन डायथिलीन ग्लायकल (डीईजी) पाया गया। दवा में इसकी निर्धारित मात्रा 0.1 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए, जबकि इसका प्रतिशत जांच में 48 प्रतिशत से अधिक पाया गया। इस रिपोर्ट के बाद प्रदेश सरकार सक्रिय हुई और इसके उपयोग एवं विक्रय पर रोक लगा दी। मृतक बाल-गोपालों का इलाज करने वाले छिंदवाड़ा के चिकित्सक डॉ प्रवीण सोनी के खिलाफ मामला दर्ज करके, फिलहाल जमानत पर रिहा कर दिया है। इन मौतों और इस रिपोर्ट के बाद सतर्कता बरतते हुए कई राज्य सरकारों ने इस दवा को प्रतिबंधित कर दिया है। केंद्र सरकार ने भी सलाह दी है कि दो वर्ष से छोटे बच्चों को कफ सीरप नहीं पिलाया जाए। इस पूरी प्रक्रिया से लगता है कि प्रदेश में ही नहीं देश में निगरानी तंत्र कमजोर है। यूपीए सरकार ने जब नकली दवाओं से छुटकारे के नजरिए से औषधीय एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम बनाया था तब यह मान लिया गया था कि अब नकली दवाओं पर कमोबेश प्रतिबंध लग जाएगा। क्योंकि इस कानून के तहत न केवल इस धंधे को गैर जमानती बना दिया गया था, बल्कि दवा बनाने वालों से लेकर बेचने वालों तक को दस साल से लेकर आजीवन कारावास का प्रावधान रखा गया था। लेकिन देखने में आया है कि दवा दुकानों पर लगातार नकली दवाओं के भण्डार बरामद हो रहे हैं और लोग बेमौत मारे जा रहे हैं। साफ है, नकली दवा कारोबार न केवल बेखौफ जारी है बल्कि इसमें बेइंतहा इजाफा भी हो रहा है। यही नहीं ये दवाएं सरकारी अस्पतालों के माध्यम से भी धड़ल्ले से उपयोग में लाई जा रही हैं। इससे जाहिर होता है कि सरकारी चिकित्सा-तंत्र का एक बड़ा हिस्सा इस कारोबार को ताकत दे रहा है। इसके पहले 2019-20 में जम्मू के रामनगर में भी एक फार्मा कंपनी के बनाए सीरप से 12 बच्चों ने दम तोड़ दिया था। कंपनी पर एफआईआर हुई, लेकिन मामला अभी भी लंबित है। वर्ष 2022 में हरियाणा की दवा कंपनी के सीरप से गांबिया में 70 और उज्बेकिस्तान में 65 बच्चों की मौतें हो गई थीं। सितंबर 2008 में भारत की सबसे बड़ी दवा कंपनी रैनबैक्सी की तीस जेनेरिक दवाओं को अमेरिका ने प्रतिबंधित किया था। रैनबैक्सी की देवास (मध्य प्रदेश) और पांवटा साहिब (हिमाचल प्रदेश) में बनने वाली दवाओं के आयात पर अमेरिका ने रोक लगाई थी। अमेरिका की सरकारी संस्था फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) का दावा था कि रैनबैक्सी की भारतीय इकाइयों से जिन दवाओं का उत्पादन हो रहा है उनका मानक स्तर अमेरिका में बनने वाली दवाओं से घटिया है। ये दवाएं अमेरिकी दवा आचार संहिता की कसौटी पर भी खरी नहीं उतरी थीं। जबकि भारत की रैनबैक्सी ऐसी दवा कंपनी है जो अमेरिका को सबसे ज्यादा जेनेरिक दवाओं का निर्यात करती है। रैनबैक्सी एक साल में कई हजार करोड़ की दवाएं देश व दुनिया में बेचती है। ऐसी ही बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां किसी आचार संहिता के पालन के पक्ष में नहीं हैं। किसी बाध्यकारी कानून को अमल में लाने में भी ये रोड़ा अटकाने का काम करती हैं क्योंकि ये अपना कारोबार विज्ञापनों व चिकित्सकों को मुनाफा देकर ही फैलाये हुए हैं। छोटी दवा कंपनियों के संघ का तो यहां तक कहना है कि चिकित्सकों को उपहार देने की कुप्रथा पर कानूनी तौर से

रोक लग जाए तो दवाओं की कीमतें 50 फीसदी तक कम हो जाएंगी। चूंकि दवा का निर्माण एक विशेष तकनीक के तहत किया जाता है और रोग व दवा विशेषज्ञ चिकित्सक ही पर्चे पर एक निश्चित दवा लेने को कहते हैं। दरअसल, इस तथ्य की पृष्ठभूमि में यह मकसद अंतर्निहित है कि रोगी और उसके अभिभावक दवाओं में विलय रसायनों के असर व अनुपात से अनभिज्ञ होते हैं इसलिए वे दवा अपनी मर्जी से नहीं ले सकते। इस कारण चिकित्सक की लिखी दवा लेना जरूरी होती है। इंसान की जीवन-रक्षा से जुड़ा दवा करोबार अपने देश में तेजी से मुनाफे की अमानवीय व अनैतिक हवस में बदलता जा रहा है। चिकित्सकों को महंगे उपहार देकर रोगियों के लिए मंहगी और गैर जरुरी दवाएं लिखवाने का प्रचलन लाभ का धंधा हो गया है। इस गोरखधंधे पर लगाम लगाने के नजरिये से कुछ समय पहले केन्द्र सरकार ने दवा कंपनियों से ही एक आचार संहिता लागू कर उसे कड़ाई से अमल में लाने की अपील की थी। लेकिन संहिता का जो स्वरूप सामने लाया गया, वह राहत देने वाला नहीं था। संहिता में चिकित्सकों को उपहार व रिश्वत देकर न तो अनैतिक कारगुजारियों को लेकर कोई साफगोई है और न ही संहिता की प्रस्तावित शर्तें व कानून बाध्यकारी हैं। इन प्रस्तावों को लेकर दवा संघों में भी मतभेद हैं। विज्ञान की प्रगति और उपलब्धियों के सरोकार आदमी और समाज के हितों में निहित हैं। लेकिन हमारे देश में मुक्त बाजार की उदारवादी व्यवस्था के साथ बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आगमन से जिस तेजी से व्यक्तिगत व व्यवसायजन्य अर्थ-लिप्सा और लूटतंत्र का विस्तार हुआ है, उसके शिकार चिकित्सक तो हुए ही, निगरानी तंत्र भी इसकी चपेट में है। नतीजतन देखते-देखते भारत के दवा बाजार में बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियों की 70 प्रतिशत से भी ज्यादा की भागीदारी हो गई। इनमें से 25 फीसदी दवा कंपनियां ऐसी हैं जिन पर व्यवसायजन्य अनैतिकता अपनाने के कारण अमेरिका भारी आर्थिक दण्ड दे चुका है। ऐसे हालात में चिकित्सक अनैतिकता और दवा कंपनियां केवल लाभ का दृष्टिकोण अपनाएंगी तो आर्थिक रूप से कमजोर तबका तो स्वास्थ्य चिकित्सा से बाहर होगा ही, जो मरीज दवा ले रहे हैं उनके मर्ज की दवा सटीक दी जा रही हैं अथवा नहीं इसकी गारंटी भी नहीं रह जाएगी? इस कारण सरकार ने 2009 के आरंभ में दवा कंपनियों के संघ से स्वयं एक आचार संहिता बनाकर अपनाने को कहा था। साथ ही सरकार ने यह हिदायत भी दी थी कि यदि कंपनियां इस अवैध गोरखधंधे पर अंकुश नहीं लगातीं तो सरकार को इस बाबत कड़ा कानून लाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। लेकिन सरकारी चेतावनी की परवाह किए बिना दवा कंपनियों का संघ जो नई आचार संहिता सामने लाया, उसमें उपहार के रूप में लाभ देने का केवल तरीका बदला गया। मसलन तोहफों का सिलसिला बदस्तूर जारी रहेगा। संहिता में केवल दवा निर्माताओं से उम्मीद जताई गई है कि वे चिकित्सकों को टीवी, फ्रिज, एसी, लैपटॉप, सीडी, डीवीडी जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण व नकद राशि नहीं देंगे। लेकिन वैज्ञानिक सम्मेलन, कार्यशालाओं और परिचर्चाओं के बहाने उपहार देने का सिलसिला और चिकित्सकों की विदेश यात्राएं जारी रहेंगी। जाहिर है आचार संहिता के बहाने चिकित्सक और उनके परिजनों को विदेश यात्रा की सुविधा को परंपरा बनाने का फरेब संहिता में जानबूझकर डाला गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन का दावा है कि भारत में बनने वाली दवाएं करीब 35 प्रतिशत नकली होती हैं। एसौचेम के मुताबिक देश में 25 प्रतिशत की दर से हर साल इस कारोबार में इजाफा हो रहा है।

बिहार में चुनाव का बिगुल बजते ही जोड़तोड़ में लग गई राजनैतिक पार्टियां

कांतिलाल मांडोत

बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही राज्य और देश मे चुनाव को लेकर अटकलें भी थम गई। बिहार में इस बार दो चरण में मतदान होने जा रहा है। यह पिछले कई वर्षों में सबसे छोटा चुनाव है। बिहार में इस बार एसआईआर सबसे बड़ा फैक्टर है। मतदान सूची से 68.5 लाख नाम हट चुके है। बिहार में राजद और कांग्रेस का मुस्लिमो के समर्थन पर ही दोनो दलों का भविष्य टिका है। कांग्रेस मुस्लिम मतदाताओ की सबसे बड़ी हितचिंतक है। राजद के सुप्रीमो तेजस्वी भी मुस्लिमो के हितचिंतक होने का दावा करते है। बिहार में इनको भी लगने लगा है कि राजद और कांग्रेस सिर्फ दिखावटी बाते करती है। इंडिया गठबंधन के दोनो घटक दल राजद और कांग्रेस में बड़ा याराना है। दोनो दल अभी तक अपने हिस्से की सीटें निकालने पर चिंतन कर रहे है,फिर भी संशय है। मुस्लिमो का बड़ा तबका यह समझता है कि तेजस्वी और कांग्रेस के राज में राजनीतिक रसूख ज्यादा रहता है। लेकिन सत्ता में आने पर ही वोट देने का सही फायदा है। मुस्लिमो को पुलिस आदि का सरंक्षण चाहिए होता है,वह राजद और कांग्रेस से मिल जाता है। इसलिए मुस्लिम समाज का झुकाव राजद की तरफ दिखाई देता है। बिहार में कांग्रेस का जनाधार नही के बराबर है। मुसलमानों की पहली पसंद कांग्रेस दिखती है और दूसरी राजद। लेकिन कांग्रेस कई वर्षों से सत्ता से बाहर है। बिहार में समीकरण बदल गए है। नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और नीतीश की विकास की नीतियों से दूसरे दलों में मतदाताओ ने किनारा करना शुरू कर दिया। हर चुनाव में अनुमान ध्वस्त होते दिखाई दिए है। पिछली विधानसभा के चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत हासिल हुई थी। भाजपा को 74 सीटे मिली थी। 19.46 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए थे। जदयू को 43 सीटे और 15.39 प्रतिशत वोट मिले थे। राजद को 75 सीटे मिली थी। और वोट 23.11 प्रतिशत प्राप्त हुए। उधर ,कांग्रेस की झोली में 19 सीटे प्राप्त हुई। कांग्रेस के मुस्लिम वोट में राजद की सेंधमारी से बड़ाफायदा मिला था। वामदल और अन्य के हिस्सों में 16-16 सीटे गई थी। बिहार की गणित दलित,ओबिसी और मुस्लिम वोटों पर टिकी हुई है। दावे,वादे और बदलते समीकरण से मतदाताओ को भांपना मुश्किल होता जा रहा है। जदयू और भाजपा गठबंधन की एनडीए को बिहार से दोनो पार्टी की 12-12 सीटें मिली थी। बिहार में मुस्लिमो की 17.70

प्रतिशत आबादी का वोट शेयर दोनों पार्टियों के हिस्से में जाता है। मुस्लिमपरस्त राजनीति ने भाजपा की सम्भावनाओ को बढ़ा दिया है । बीस सालों से बिहार की राजनीति में अंगद की तरह पैर जमा चुके सुशासन बाबू नीतीशकुमार की बिहार में उज्वल छवि है। लोग नीतीश कुमार की नीतियों के कायल है। उनके शब्दो पर भरोसा करते है। लालू के जंगलराज के बाद तेजस्वी ने अव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित कर नई रणनीति बनाकर पार्टी को 2020 में 75 सीटे दिलाई। बिहार के मतदाताओ पर घोर किया जाए तो ईबीसी की 36 प्रतिशत आबादी के हितों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। बिहार में कुल 63 प्रतिशत ओबिसी-ईबीसी की आबादी ही निर्णायक होगी। एससी -एसटी के 21 प्रतिशत वोट पर राजनैतिक दलों की नजर है। जाति के इस गणित को समझना टेडी खीर है। लेकिन विकास के वादे और रोजगार पर सत्तारूढ़ दल ने महिलाओ को मदद की है। उससे भी एनडीए को सीधा लाभ मिलेगा। जदयू के पिछले 2020 के विधानसभा चुनाव में वोट शेयर ने घटा था। उसके कई कारण हो सकते है। बिहार की लोकगायिका मैथेली की बीजेपी की टिकट पर चुनाव लड़ने की सम्भावना जताई जा रही है। उसके बाद नरेंद्र मोदी के प्रति भरोसा और विकास के लिए जरूरत बिहार में ज्यादा दिखती है । भाजपा ने ओबोसी,ईबीसी,एसी-एसटी पर भर भरोसा जताया है। राजद,कांग्रेस में मुस्लिमो को अपनी तरफ खींचने की कवायद से हिन्दुओ में ध्रुवीकरण हुआ तो उसका फायदा सीधा भाजपा को हो सकता है। जहां तक कांग्रेस की बात है तो तेजस्वी ने उसे अपने पीछे दौड़ने के लिए मजबूर कर दिया है। राहुल गांधी की लाख कोशिशों और तेजस्वी की सारी रणनीतियों के बावजूद बिहार में लोगो का ध्यान आकृष्ट तो कर सकते है लेकिन सत्य को पराजित नही जा सकता है। कांग्रेस ने राजद की अंगुली पकड़ कर बिहार की राजनीति में भूचाल लाने की रणनीति के पीछे प्रियंका की चाटूकारिता रही है। दोनो भाई बहन की बिहार में प्रतिष्ठा का सवाल खड़ा हो गया है। बिहार में कांग्रेस पहले से ही कमजोर है। उधर,11 नामो के साथ बिहार में आम आदमी पार्टी ने सूची जारी की है। बिहार में बीजेपी की मैराथन बैठक में बिहार के सिटिंग विधायको को लेकर चिंतन किया जा रहा है। दावेदारी किसको देनी है इसका मसाला केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जाएगा। सुझाव समिति की सभी सदस्यों ने अपना सुझाव दिया है और मजबूत उम्मीदवार को तवज्जों दी जा रही है। बीजेपी बिहार में एनडीए के सहयोग से पूरी ताकत झोंकेगी। शाहबाद और मगध एनडीए के लिए प्राथमिकता रहेंगे। क्योकि 2020 के विधानसभा चुनाव में इन क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन नही कर सकी। बिहार में कांग्रेस पहले से ही कमजोर स्थिति में है। ऊपर से सीटो के त्याग संशय से चिंतन है। कांग्रेस के पास बिहार में मजबूत नेता की जरूरत है। तभी समीकरण सधता नजर आ सकता है । वैसे तो सूबे में तिकोना संघर्ष है। लेकिन चतुष्कोणीय मुकाबला करा सकती है। राजद और कांग्रेस की सौदेबाजी पर सबकी नजर है। कांग्रेस को अब नाक बचाने की चिंता है। गांधी परिवार की विरासत का भूत लोगो के दिमाग से तीस वर्ष पहले ही उतर चुका था। क्योकि कांग्रेस धरातल पर आ गई। कांग्रेस के धुरंधर कहे जाने वाले नेता भी पिछले चुनाव में हार गए। अब असली परीक्षा तो इन दलों की चुनाव में है। सभी के साथ मिलकर प्रत्याशी उतार रहे है। हालांकि चुनाव के बीच अभी 38 दिन बाकी है। लेकिन राजनैतिक दल अभी से चुनाव की तैयारी में जुट गए है। राजद और कांग्रेस दोनो विरोधी गठबंधन है। कांग्रेस के हित राजद से मेल नही खाते। राजद कांग्रेस खोई हुई राजनीतिक जमीन पर काबिज है। क्योंकि चुनौती भाजपा की है। तीस साल से बिहार में वापसी का सपना देखने वाले राहुल को हकीकत समझ मे आ ही गई। तीसरे पायदान पर खड़ी भाजपा से अपना मुकाबला मान रहे है । चुनाव की बयार अभी उलट बहने से कांग्रेस डरी हुई है। क्योंकि कांग्रेस के पास भाजपा से मुकाबला करने के लिए ठोस मुद्दे नही है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कुछ लोग आपको कंफ्यूज करने की कोशिश करेंगे। दूसरों की बातों में न आकर अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखें, इससे आपके कार्य बड़ी ही आसानी से पूरे होंगे। ऑफिस में अपने काम पर ध्यान देने से आप सम्मान के पात्र बने रहेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों को आज ज्यादा लाभ के योग बन रहे हैं। किसी कार्य को पूरा करने में पुरानी कम्पनी का अनुभव काम आएगा। अचानक धन लाभ होने के योग बने हुए हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने काम पर पूरा फोकस बनाये रखें, जल्द ही भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा। बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय बच्चों के लिए निकालेंगे, बच्चे अपने मन की बात आपसे शेयर करेंगे। लवमेट एक-दूसरे पर विश्वास बनाए रखें, रिश्ते में मजबूती बनी रहेगी। छात्रों को थोड़ी और मेहनत की जरूरत है। सफलता के योग बने हुए हैं। संतान की ओर से कोई खुशखबरी मिल सकती है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपनी बातों से किसी को प्रभावित कर देंगे। समाज में किये गए सराहनीय काम को देखकर लोग आपसे कुछ अच्छा सीखेंगे, जिससे आपको गर्व होगा। शिक्षण संस्थान से जुड़े लोगों को ज्यादा लाभ होगा। स्टूडेंट अपने आप पर भरोसा बनाए रखें, जल्द ही सफलता मिलेगी। आज आप अपने बच्चे के अच्छे भविष्य के लिए कुछ ठोस कदम उठा सकते हैं।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आपका कोई काम जो काफी दिनों से रुका था, आज पूरा हो जाएगा। साथ ही आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। विद्यार्थियों द्वारा की गई मेहनत का शुभ परिणाम मिलेगा। जल्दबाजी में कोई भी निर्णय न लें, इससे बना बनाया काम बिगड़ सकता है। मित्रों की सलाह भी ले सकते हैं। किसी के प्रति प्रतिशोध की भावना न रखें। जैसी आपकी सोच रहेगी, वैसे ही अनुभव मिलेंगे।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। मानवहित में किये गये कार्यों के कारण आपको सम्मान मिलेगा। गैर-जरूरी खर्चों पर रोक लगाकर आप बचत पर ध्यान देंगे। व्यवसायिक गतिविधियां मन मुताबिक चलेंगी। काम करने के तरीकों में बदलाव लाएंगे। आत्मविश्वास बनाए रखें। अवसर मिलने पर उसका फायदा उठाएं।

कन्या राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। सरकारी नौकरी करने वाले अपने काम पर ज्यादा ध्यान दें। किसी से बहस की स्थिति बन सकती है, ऐसे में मौन रहना बेहतर होगा। पब्लिक प्लेस पर छवि खराब न होने दें। लवमेट के रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को बड़ा मुनाफा होगा।

तुला राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके काम करने के तरीकों से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। बातचीत के दौरान अपनी निजी बातें शेयर न करें। जिस काम की शुरुआत करेंगे, वह समय पर पूरा होगा। कोर्ट से संबंधित कोई मामला चल रहा है तो उसके सुलझने की पूरी उम्मीद है।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। मित्रों से मन की बात शेयर करने से सुकून मिलेगा। आपको नई जानकारियां भी हासिल होंगी। रिश्तेदार से शुभ संदेश मिलेगा, जिससे खुशी दोगुनी होगी। बिजनेस में खास एग्रीमेंट होगा, लेकिन कॉम्पटीशन के दौर में कार्य करने के तरीकों में बदलाव जरूरी है।

धनु राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। निजी कामों पर बाहरी लोगों का दखल न होने दें। भावनाओं में आकर कोई फैसला न लें। ज्यादा काम के कारण थकान हो सकती है।छोटी-छोटी परेशानियां जल्द दूर होंगी। परिवार में सुखद माहौल रहेगा। व्यापार में मिली जिम्मेदारियों को सफलता से निभाएंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। शाम का समय माता-पिता के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे, जिससे अच्छा समाधान मिलेगा। किसी काम की शुरुआत करने से पहले शुभ मुहूर्त देखना बेहतर होगा। समाज में किये गए कार्यों से मान-सम्मान बढ़ेगा। कोई विश पूरी होगी जिससे खुशी मिलेगी।

कुम्भ राशिः आज का दिन परिवार के लिए नई खुशियां लेकर आया है। किसी अनुभवी से मिली सलाह फायदेमंद साबित होगी। काम को लेकर आपके सपने काफी हद तक पूरे होंगे। स्वयं को साबित करने के लिए बेहतर दिन है। परिवार में सामंजस्य से शांति का माहौल रहेगा।

मीन राशिः आज का समय आपके लिए अच्छा है। पारिवारिक समस्या हल होगी और रुके काम में गति आएगी। सकारात्मक लोगों की सलाह फायदेमंद होगी। मेहनत का उचित फल जल्द मिलेगा। अफवाहों पर ध्यान न दें। ऑफिसियल यात्रा संभव है, जो शुभ होगी। जीवनसाथी के साथ डिनर प्लान करेंगे।

भारतीय वायुसेनाः साहस, समर्पण और शक्ति का संगम

भारतीय वायुसेना दिवस (8 अक्तूबर) पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 93वां स्थापना दिवस मना रही है। प्रत्येक वर्ष इस अवसर पर वायुसेना अपनी शक्ति, शौर्य और तकनीकी उत्कृष्टता का अभूतपूर्व प्रदर्शन करती है। इस मौके पर आयोजित भव्य एयर शो भारतीय वायुसेना की क्षमताओं और सामर्थ्य का प्रतीक बन जाता है। आसमान में वायुवीरों के करतब, फाइटर जेट्स और हेलीकॉप्टर्स के समकालिक युद्धाभ्यास को देखकर हर दर्शक रोमांच और गर्व से भर उठता है। वायुसेना के बेड़े में शामिल राफेल, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स भारतीय आकाश को सुरक्षित रखने की अभेद्य शक्ति प्रदान करते हैं। वहीं, सारंग जैसे हेलीकॉप्टरों के शो स्टंट्स, प्रचंड और ध्रुव जैसे लाइट और एडवांस्ड हेलीकॉप्टर्स, सी-295, अपाचे, डकोटा, चेतक और जगुआर जैसी भारी मशीनें वायुसेना की बहुपक्षीय क्षमताओं का प्रदर्शन करती हैं। इन एयरक्राफ्ट की उच्च तकनीकी क्षमताएं न केवल देश की सुरक्षा की गारंटी हैं बल्कि इसे वैश्विक मंच पर सम्मान और प्रतिष्ठा भी दिलाती हैं। भारतीय वायुसेना दिवस का मुख्य उद्देश्य केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं है बल्कि युवाओं को इस गौरवशाली सेवा में शामिल होने के लिए प्रेरित करना भी है। एयर शो के माध्यम से युवा पीढ़ी वायुसेना की चुनौतीपूर्ण, साहसिक और सम्मानजनक भूमिका के बारे में जानती है और उनके मन में देश सेवा के प्रति उत्साह जागृत होता है। आज भारतीय वायुसेना न केवल सीमा रक्षा में सक्षम है बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता देने में भी अग्रणी भूमिका निभाती है। यह स्थापना दिवस भारतीय वायुसेना की समर्पित सेवा, साहस और तकनीकी दक्षता का उत्सव है, जो हमें यह याद दिलाता है कि भारत के आकाश में स्वतंत्रता, सुरक्षा और गौरव का सूर्य सदैव चमकता रहेगा। भारतीय वायुसेना में इस समय राफेल, सुखोई 30, मिराज 2000, जगुआर, तेजस, आरपीए 50, मिग-27, मिग-29 के अलावा हेलीकॉप्टर ध्रुव, चिनूक, चेतक, चीता, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, एचएएल रुद्र इत्यादि अत्याधुनिक विमान शामिल हैं, जो किसी भी विकट स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारतीय वायुसेना को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव हासिल है। देश की करीब 24 हजार किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना पूरी मुस्तैदी के साथ निभाती रही है और वायुसेना के बेड़े में दमदार लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा अत्याधुनिक मिसाइलों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है, जिनके कारण हमारी वायुसेना अब पहले के मुकाबले कई गुना शक्तिशाली हो चुकी है। अब हम हवा में पहले के मुकाबले बहुत मजबूत हो चुके हैं तथा दुश्मन की किसी भी तरह की हरकत का अधिक तेजी और ताकत के साथ जवाब देने में सक्षम हैं। भारत के मुकाबले चीन के पास भले दोगुना लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान हैं, भारत से दस गुना ज्यादा रॉकेट प्रोजेक्टर हैं लेकिन रक्षा विश्लेषकों के अनुसार चीनी वायुसेना भारत के मुकाबले मजबूत दिखने के बावजूद भारत का पलड़ा उस पर भारी है।

रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक गिनती और तकनीकी मामले में भले ही चीन सहित कुछ देश हमसे आगे हो सकते हैं लेकिन संसाधनों के सटीक प्रयोग और बुद्धिमता के चलते दुश्मन देश सदैव भारतीय वायुसेना के समक्ष थर्राते हैं। भारत के मिराज-2000 और एसयू-30 जैसे जेट विमान ऑल-वेदर मल्टीरोल विमान हैं, जो किसी भी मौसम में और कैसी भी परिस्थितियों में उड़ान भर सकते हैं। मिराज-2000, मिग-29, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस के अलावा सुखोई-30 जैसे लड़ाकू विमान करीब पौने चार घंटे तक हवा में रहने और तीन हजार किलोमीटर दूर तक मार करने में सक्षम हैं। एक बार में 4200 से 9000 किलोमीटर की दूरी तक 40-70 टन के पेलोड ले जाने में सक्षम सी-17 ग्लोबमास्टर एयरक्राफ्ट भी वायुसेना के बेड़े में शामिल हैं। चिनूक और अपाचे जैसे अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भी वायुसेना की मजबूत ताकत बने हैं। इनके अलावा भारत के पास दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम 952 मीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार वाली ब्रह्मोस मिसाइलों सहित कई अन्य घातक मिसाइलें भी हैं, जिनकी मारक क्षमता से दुश्मन देश थर्राते हैं। भारतीय वायुसेना की जाबांजी के अनेक किस्से दुनियाभर में विख्यात हैं। हमारी वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था- 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स।' 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे। 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। आज वायुसेना में डेढ़ लाख से भी अधिक जवान और हजारों एयरक्राफ्ट्स हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् वायुसेना को अलग पहचान मिली और साल 1950 में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' का नाम बदलकर 'इंडियन एयरफोर्स' कर दिया गया। एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी इंडियन एयरफोर्स के पहले भारतीय प्रमुख थे। उनसे पहले तीन ब्रिटिश ही वायुसेना प्रमुख रहे। इंडियन एयरफोर्स का पहला विमान ब्रिटिश कम्पनी 'वेस्टलैंड' द्वारा निर्मित 'वापिती-2ए' था।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रोहित और विराट के चयन पर वेंगसरकर ने उठाये सवाल

एजेंसी, मुम्बई

छह महीने से मैदान से बाहर होने पर भी कैसे मिली जगह

भारतीय क्रिकेट टीम के पुर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली को शामिल किये जाने को लेकर चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर पर निशाना साधा है। वेंगसरकर ने कहा है कि जो खिलाड़ी पिछले छह महीने से नहीं खेल रहे उन्हें किस प्रकार टीम में जगह मिली है। उन्होंने चयन प्रकिया पर ही सवाल उठा दिये हैं। ये दोनो ही खिलाड़ी दोनों आईपीएल 2025 के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए दिखेंगे। वेंगसरकर ने कहा कि ये दोनों ही बल्लेबाज मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से खेल से दूर रहे हैं। ये दोनो अब केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलते हैं। दोनो ने ही टी20 और टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया है।

वेंगसरकर ने कहा, "रोहित और विराट स्टार खिलाड़ी रहे हैं पर अगर आप केवल एक ही प्रारुप खेल खेल रहे हैं, तो मुझे लगता है कि चयनकर्ताओं को अपने फैसले पर फिर विचार करना चाहिये। ऐसे खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस का पता नहीं लगा लगाया जा सकता है क्योंकि इन्होंने अंतिम मैच के बाद से लंबा ब्रेक ले लिया था। इसलिए इनकी फॉर्म और फिटनेस का पता लगाना कठिन है।" उन्होंने साथ ही कहा, "रोहित और विराट को शायद उनके शानदार रिकॉर्ड के कारण चुना गया है। इसमें किसी को भी संदेह नहीं है कि वे महान खिलाड़ी रहे हैं और भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत सेवा की है। दोनो ने ही सारे प्रारुपों में कई मैच जीते हैं पर आजकल एकदिवसीय मैच काफी कम होते हैं। ऐसे में इनके फार्म का पता लगाना संभव नहीं है। ऐसे में चयन समिति को इनकी फिटनेस और फार्म का कैस पता चला ये मुझे समझ नहीं आया। वहीं अगरकर ने कहा था कि विराट और रोहित दोनों ने ही फिटनेस टेस्ट पास कर लिए हैं पर ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चयन से ये तय नहीं किया जा सकता है कि ये 2027 एकदिवसीय विश्व कप की योजना में भी शामिल हैं। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज इनके लिए अहम होगी। इसमें प्रदर्शन से ही तय होगा कि ये भविष्य में रहेंगे या नहीं।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए मिशेल स्टार्क की ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी

एजेंसी, मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम में वापसी कर रहे हैं। यह सीरीज 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू होगी। स्टार्क के साथ मैथ्यू शॉर्ट और मिशेल ओवेन भी चोट से उबरने के बाद 15 सदस्यीय टीम में शामिल किए गए हैं। वहीं मैथ्यू रेनशॉ को भी टीम में जगह मिली है। टीम की कमान मिशेल मार्श के हाथों में ही रहेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने आगामी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 की तैयारी के तहत 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले दो मुकाबलों के लिए भी टीम की घोषणा की है। यह स्टार्क का मौजूदा सीजन का पहला असाइनमेंट होगा। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका दौरे से आराम लिया था ताकि इस गर्मी में होने वाली एशेज सीरीज के लिए अपनी फिटनेस और वर्कलोड को संभाल सकें। गौरतलब है कि स्टार्क पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं।वनडे टीम से कुछ खिलाड़ियों को बाहर किया गया है, जिनमें मार्नस लाबुशेन, सीन एबॉट, एरन हार्डी और मैथ्यू कुहनेमैन शामिल हैं, जो अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए पिछले वनडे दौर में टीम का हिस्सा थे।

ऑस्ट्रेलिया वनडे टीमः

मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी, कूपर कॉनॉली, बेन द्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मिशेल ओवेन, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम जम्पा।

ऑस्ट्रेलिया टी20 टीम (पहले दो मुकाबले):

मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, टिम डेविड, बेन द्वार्शुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुनेमैन, मिशेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

किलियन एमबापे के टखने की चोट की जांच होगी : कोच डिडिएर डेशॉम्प्स

एजेंसी, मुम्बई

फ्रांस फुटबॉल टीम के कोच डिडिएर डेशॉम्प्स ने सोमवार को बताया कि कप्तान किलियन एमबापे अपने दाएं टखने की जांच कराएंगे, जब वे आगामी 2026 फीफा विश्व कप क्वालिफायर के लिए टीम कैंप में शामिल होंगे। एमबापे को यह चोट शनिवार को रियल मैड्रिड की विल्लारियल के खिलाफ 3-1 की जीत के दौरान लगी थी। इस वजह से उनके फ्रांस टीम के लिए आगामी क्वालिफायर मैचों—अज़रबैजान और आइसलैंड—में खेलने पर संदेह जताया जा रहा है। डेशॉम्प्स ने कहा, "मैंने किलियन से बात की है। उसे हल्की सी परेशानी है, लेकिन यह गंभीर नहीं है, वरना वह यहां नहीं होता। हम मेडिकल स्टाफ के साथ मिलकर स्थिति का मूल्यांकन करेंगे और देखेंगे कि यह कैसी रहती है। फिलहाल मेरे पास इससे अधिक जानकारी नहीं है क्योंकि खिलाड़ी शाम करीब 4 बजे (1400 GMT) पहुंचेंगे, जिसके बाद हम सामान्य प्रक्रिया के तहत स्थिति का आकलन करेंगे।" डेशॉम्प्स ने यह भी बताया कि लिवरपूल के डिफेंडर इब्राहिमा कोनाटे की भी जांच की जाएगी, जिन्हें शनिवार को चेल्सी के खिलाफ 2-1 की हार में चोट लगी थी। फिलहाल ले ब्लू अपनी क्वालिफाइंग ग्रुप तालिका में शीर्ष पर हैं, उन्होंने अब तक खेले दोनों मैचों में जीत दर्ज की है। फ्रांस का अगला मुकाबला शुक्रवार को पेरिस सेंट-जर्मेन के पार्क डेस प्रिंसेस स्टेडियम में अज़रबैजान से होगा, जिसके बाद टीम तीन दिन बाद आइसलैंड के खिलाफ खेलेगी।

दूसरे टेस्ट में सुदर्शन की जगह पडीक्कल को मिल सकता है मौका

एजेंसी, मुम्बई

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में रन बनाने में असफल रहे बल्लेबाज साई सुदर्शन को दूसरे टेस्ट मैच में शायद ही जगह मिले। नंबर तीन पर टीम इंडिया को एक अच्छे बल्लेबाज की जरुरत है। इसी को देखते हुए सुदर्शन की जगह पर देवदत्त पडीक्कल को अवसर मिल सकता है। पड़िकल ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। दोनो टीमों के बीच दूसरा व अंतिम टेस्ट मैच 10 अक्टूबर से दिल्ली में खेला जाएगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम ने तीसरे दिन ही जीत हासिल कर ली पर सुदर्शन मैच में रन नहीं बना पाये। वह 19 गेंदों पर 7 रन ही बना पाये। ऐसे में टेस्ट क्रिकेट में उनकी क्षमताओं पर भी सवाल उठ रहे हैं। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के आधार पर उन्हें इंग्लैंड दौरे में भी जगह मिली थी पर वह वहां भी केवल एक अर्धशतक ही लगा पाये थे। इस

बल्लेबाज को नंबर-3 बल्लेबाज के तौर पर आजमाया गया है, जिसमें वह अभी तक बुरी तरह विफल रहे हैं। इस बल्लेबाज ने टेस्ट डेब्यू के बाद से ही अभी तक 4 टेस्ट मैचों की 7 पारियों में 0, 30, 61, 0, 38, 11 और 7 रन के स्कोर ही कुल 137 रन ही बनाए हैं। वह विदेशी धरती के बाद अपनी धरती पर भी रन बनाने में सफल नहीं हुए हैं। सुदर्शन ने अभी तक 4 टेस्ट मैचों की 7 पारियों में केवल एक अर्धशतक ही लगा पाये हैं। सुदर्शन का सबसे अधिक स्कोर 61 रन है।

पीकेएल-12: दबंग दिल्ली की लगातार चौथी जीत, जयपुर पिंक पैंथर्स को 29-26 से हराया

एजेंसी, चेन्नई

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 67वें मुकाबले में दबंग दिल्ली केसी ने जयपुर पिंक पैंथर्स को रोमांचक मैच में 29-26 से हराकर अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। यह इस सीजन में दिल्ली की 10वीं जीत रही, जिससे उसने अंक तालिका में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। जयपुर के लिए यह 12 मैचों में छठी हार रही। दिल्ली की जीत में डिफेंस का अहम योगदान रहा — संदीप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 अंक लिए, जबकि आशू ने 8 अंक और नीरज ने 4 अंक जुटाए। कप्तान फजल अत्राचली ने भी डिफेंस में तीन महत्वपूर्ण शिकार किए। जयपुर की ओर से रेजामीर बघेरी और दीपांशु ने हाई-5 हासिल किए, लेकिन टीम के रेडर्स उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए, जो हार का मुख्य कारण रहा। मैच की शुरुआत में दिल्ली के आशू ने एक सुपर रेड से टीम को बढ़त दिलाई,

लेकिन जल्द ही जयपुर के दीपांशु ने उन्हें लपक लिया। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और हाफटाइम तक जयपुर 13-12 से आगे रही। दूसरे हाफ में दिल्ली ने जबरदस्त वापसी की। नीरज और आशू की जोड़ी ने लगातार अंक जुटाए और जयपुर को ऑल आउट कर दिल्ली को 18-16 की बढ़त दिलाई। दिल्ली की डिफेंस लाइन ने बाद के मिनटों में दबाव बनाए रखा और जयपुर की कोशिशों को नाकाम कर दिया। अंतिम मिनटों में मैच बेहद रोमांचक हो गया। जयपुर ने अंतर घटाकर 26-27 तक लाया, लेकिन अंतिम रेड में नीरज ने समाधी को लपककर दिल्ली को जीत दिला दी। इस जीत के साथ दिल्ली की टीम का आत्मविश्वास चरम पर है और वह अब लीग के प्लेऑफ की दौड़ में मजबूत दावेदार बन गई है।

व्यापार

लगातार चौथे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाए 41 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार चौथे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। हालांकि, बाजार में पूरे दिन उतार-चढ़ाव होता रहा। इसके बावजूद ग्लोबल मार्केट के मजबूत संकेतों, दूसरी तिमाही के सकारात्मक बिजनेस अपडेट्स और ऑयल एंड गैस तथा एनर्जी सेक्टर के शेयरों में हुई जोरदार खरीददारी के कारण बाजार की मजबूती बनी रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.17 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस और एनर्जी सेक्टर के अलावा फार्मास्यूटिकल तथा रियल्टी सेक्टर के शेयरों में भी लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर डिफेंस, मेटल, आईटी, कैपिटल गुड्स और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.45

प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 460.25 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 459.84 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 41 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,322 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,847 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,316 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 159 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,819 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,234 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,585 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 93.83 अंक की मजबूती के साथ 81,883.95 अंक के स्तर पर खुला।

मारुति सुजुकी ने रेल मार्ग से जम्मू-कश्मीर तक कारें पहुंचाईं

नई दिल्ली। हाल ही में मारुति सुजुकी ने रेल मार्ग से जम्मू-कश्मीर तक कारें पहुंचाईं। मारुति सुजुकी ने बताया कि पहला शिपमेंट अनंतनाग टर्मिनल तक पहुंच चुका है, जिसमें ब्रेजा, डिजायर, वैगनआर और एस-प्रेसो जैसी उसकी सबसे ज्यादा बिकने वाली कारें शामिल थीं। कंपनी ने देश में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। ऐसा करने वाली कंपनी भारत की पहली ऑटोमोबाइल निर्माता बन गई है। यह ट्रेन 850 किलोमीटर की दूरी तय कर घाटी पहुंची और इस दौरान विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज,

चेनाब ब्रिज को भी पार किया। कंपनी का मानना है कि यह कदम न केवल लॉजिस्टिक्स को सुगम बनाएगा बल्कि कश्मीर घाटी में कनेक्टिविटी और डिलीवरी क्षमता को भी मजबूत करेगा। इस मौके पर मारुति सुजुकी के एमडी और सीईओ हिशाशी टाकेउची ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्रालय को धन्यवाद दिया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस परियोजना को "गेम चेंजर" करार दिया और कहा कि जैसे कश्मीर के सेब रेल से देशभर में पहुंचते हैं, वैसे ही अब मारुति की कारें भी पहुंचेंगी। बिक्री के मोर्चे पर भी कंपनी की स्थिति मजबूत रही। सितंबर में कुल 1,89,665 गाड़ियों की बिक्री हुई, जिसमें 1,35,711 घरेलू बाजार के लिए, 11,750 अन्य ओईएमएस के लिए और 42,204 यूनिट्स एक्सपोर्ट के लिए थीं। नवरात्रा के पहले आठ दिनों में 1.65 लाख गाड़ियों की रिकॉर्ड डिलीवरी कंपनी की मजबूती को और दिखाती है।

वोडाफोन आइडिया की लग सकती है लॉटरी, ब्रिटेन को खुश करने मोदी सरकार कर सकती ये ऐलान

नई दिल्ली। भारत सरकार वोडाफोन आइडिया (वीआई) के करीब 2 लाख करोड़ (करीब 22.5 अरब डालर) के पुराने बकाया विवाद को जल्द से जल्द सुलझाने की तैयारी में है। मोदी सरकार का मुख्य उद्देश्य कंपनी को वित्तीय राहत देकर दोबारा ट्रैक पर लाना और साथ ही भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना है। रिपोर्ट के अनुसार, मोदी सरकार इस विवाद को एकमुश्त निपटान के जरिए खत्म करना चाहती है। इसके लिए, निम्नलिखित रियायतों पर विचार किया जा रहा है। सबसे पहले बकाया राशि पर लगे ब्याज और जुर्माने में रियायत दी जा सकती है। इसके बाद, मूल बकाया राशि पर भी कुछ छूट देने पर विचार किया जा सकता है।

यह कदम क्यों उठाया जा रहा है- वोडाफोन आइडिया भारी वित्तीय संकट में है और 2016 के बाद से कोई तिमाही मुनाफा नहीं हुआ है। केंद्र सरकार का मानना है कि

यह समझौता कंपनी को नई पूंजी और निवेश जुटाने में मदद करेगा, जिससे वह नेटवर्क विस्तार और सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार कर सकेगी। मोदी सरकार ने 2023 में कर्ज के बदले वोडाफोन आइडिया में 49 प्रतिशत की हिस्सेदारी हासिल की है, जिससे अब इसमें पब्लिक फंड जुड़ा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट में भी मोदी सरकार के वकील ने कुछ समाधान जरूरी है कहा था। बात दें कि वोडाफोन एक ब्रिटिश कंपनी है। यह कदम ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के भारत दौरे से ठीक पहले उठाया जा रहा है। यह विवाद सुलझने से ब्रिटिश निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और हाल ही में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) के बाद दोनों देशों के व्यापारिक रिश्ते और मजबूत होने है।

वोडाफोन आइडिया विवाद क्या है- यह पूरा विवाद एजीआर यानी एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू की गणना को लेकर है। टेलीकॉम कंपनियों को उनके कुल राजस्व का एक हिस्सा लाइसेंस और स्पेक्ट्रम फीस के रूप में देना चाहिए। इसमें सिर्फ टेलीकॉम सेवाओं से हुई कमाई शामिल होनी चाहिए, न कि गैर-टेलीकॉम आय (जैसे ब्याज या किराया)। यह मामला सालों तक अदालत में चला और 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के पक्ष में फैसला दिया, जिसके कारण वोडाफोन आइडिया पर करीब 2 लाख करोड़ का भारी बकाया बन गया, जिससे उसकी वित्तीय स्थिति गंभीर रूप से प्रभावित हुई। यह सरकारी योजना न केवल वोडाफोन आइडिया को राहत दे सकती है, बल्कि भारतीय टेलीकॉम सेक्टर में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने और भारत की कूटनीतिक रणनीति (ब्रिटेन जैसे पुराने सहयोगी को मजबूत करना) का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

विश्व बैंक ने 2025-26 के लिए जीडीपी का अनुमान बढ़ाकर 6.5 फीसदी किया

नई दिल्ली। विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया है। विश्व बैंक ने अपने जून पूर्वानुमान में इसके 6.3 फीसदी रहने की संभावना जताई थी। विश्व बैंक ने मंगलवार को अपने दक्षिण एशिया परिदृश्य में कहा कि उपभोग वृद्धि में निरंतर मजबूती के कारण भारत के विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने की उम्मीद है। हालांकि, विश्व बैंक ने चेतावनी दी है कि भारतीय निर्यात पर लगाए गए 50 फीसदी अमेरिकी शुल्क अगले वर्ष देश की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डाल सकते हैं। विश्व बैंक ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 फीसदी की दर से बढ़ेगी। पूर्व में इसके 6.3 फीसदी रहने की संभावना जताई गई थी। साथ ही वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.7 फीसदी से घटाकर 6.5 फीसदी कर दिया है। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2027-28 के लिए 6.3 फीसदी की वृद्धि दर का अनुमान जताया है। विश्व बैंक ने अपने

दक्षिण एशिया परिदृश्य में कहा कि घरेलू परिस्थितियां, खासकर कृषि उत्पादन और ग्रामीण मजदूरी वृद्धि, अपेक्षा से बेहतर रही हैं। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सरकार के सुधारों, कर स्लैब की संख्या कम करना और अनुपालन को सरल बनाने से गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। विश्व बैंक ने दक्षिण एशिया की वृद्धि दर 2025 में 6.6 फीसदी तक पहुंचने की संभावना जताई है, लेकिन 2026 में ये घटकर 5.8 फीसदी हो सकती है, जिसमें भारत पर अमेरिकी शुल्क का असर भी शामिल है।

घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का सिलसिला बरकरार, नए शिखर पर सोना और चांदी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमत आज एक बार फिर मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गई है। आज के कारोबार में सोना 1,270 रुपये से लेकर 1,390 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी के दाम भी 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गए हैं। कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,20,780 रुपये से लेकर 1,20,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,10,710 रुपये से लेकर 1,10,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,56,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,20,930 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,10,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,20,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,20,830

रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,10,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,20,780 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,10,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,20,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,20,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,10,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,20,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,10,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बालीवुड में काम करना चाहती हैं कांतारा : रुक्मिणी वसंत

अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत की आने वाली फिल्म कांतारा: चैप्टर 1 का ट्रेलर कुछ समय पहले रिलीज हुआ था। वह इस फिल्म में राजकुमारी कनकवती के किरदार में दिखाई देंगी। अभिनेत्री रुक्मिणी ने बताया कि वह बालीवुड में काम करना चाहती हैं। उन्होंने करण जौहर या दूसरे किसी बड़े बालीवुड फिल्म निर्माता के साथ काम करने की भी हसरत जाहिर की है। जब रुक्मिणी से पूछा गया कि क्या वह बालीवुड में अवसर तलाशना चाहेंगी, तो इसका जवाब देते हुए रुक्मिणी ने कहा, बिल्कुल, धर्मा प्रोडक्शंस उस क्लासिक सिनेमा का प्रतीक रहा है, जिसे हम सभी पसंद करते हैं। अगर मुझे मौका मिला, तो मैं उनके साथ काम करना जरूर चाहूंगी। भविष्य में क्या होगा, यह तो मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे उम्मीद है कि मुझे वहां काम करने का अवसर मिलेगा। मैंने यह नहीं सोचा कि मैं किस बैनर, निर्देशक या अभिनेता के साथ काम करना चाहूंगी। मेरे पास ऐसी कोई सूची नहीं है। रुक्मिणी ने यह भी बताया कि कैसे कोविड-19 महामारी ने उन्हें वर्तमान में जीना सिखाया है। उन्होंने कहा, कोविड ने मुझे सिखाया कि ज्यादा सोचना नहीं चाहिए। मेरे मन में एक इरादा और उम्मीद है, जिसके साथ मैं आगे बढ़ना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि हिंदी सिनेमा में किसी खूबसूरत, मजेदार और दिल को छूने वाली प्रेम कहानी का हिस्सा बनूं। देखते हैं, क्या होता है। लेकिन, कोविड-19 के बाद से मैं अब ज्यादातर वर्तमान में जीती हूं। रुक्मिणी ने इससे पहले एक इंटरव्यू में अपने किरदार के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में उनका किरदार अपनी जमीन, लोककथाओं और आस्था को सबके सामने पेश करने के जैसा था। कांतारा: चैप्टर 1 को होम्बले फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। इसके म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनीश लोकनाथ हैं। यह फिल्म 2 अक्टूबर को दुनियाभर में काड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी। यह फिल्म ऋषभ शेट्टी की 2022 की ब्लाकबस्टर फिल्म कांतारा का प्रीक्वल है। फिल्म की स्क्रिप्ट ऋषभ शेट्टी ने लिखी है और उसे निर्देशित भी किया है, जबकि विजय किरगंदुर फिल्म के निर्माता हैं। फिल्म में जयराम, राकेश पुजारी और रुक्मिणी वसंत जैसे सितारे भी अहम किरदार में दिखाई देंगे।

रोंगटे खड़े कर देगा कांतारा: चैप्टर 1 का इंटरवल, स्टंट डायरेक्टर का खुलासा, दोबारा नहीं बन पाएगा ऋषभ शेट्टी का फाइट सीन

होम्बले फिल्म्स और ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा: चैप्टर 1 साल की सबसे बड़ी सिनेमाई घटना बनकर उभरी है. 2022 में कांतारा की अभूतपूर्व सफलता के बाद, दर्शक इसके प्रीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे है. ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो रोंगटे खड़े कर देने वाले पलों और रूह कंपा देने वाले दृश्यों से भरपूर है. यह न सिर्फ उम्मीदों पर खरा उतरता है, बल्कि उनसे भी आगे निकल जाता है, और एक अनोखे सिनेमाई तूफ़ान का मंच तैयार करता है. इतिहास रचते हुए, ट्रेलर को सिर्फ 24 घंटों में 107 मिलियन से ज़्यादा व्यूज़ और 3.4 मिलियन लाइक्स मिले. अपने नाम एक और उपलब्धि जोड़ते हुए, यह एक दिन में सबसे ज़्यादा शेयर किया जाने वाला ट्रेलर भी बन गया है. जी हां, कांतारा: चैप्टर 1 का ट्रेलर सफलता के नए आयाम स्थापित कर रहा है, जहां इसे हर तरफ से अपार प्यार और सराहना मिल रही है, वहीं 24 घंटों में सबसे ज़्यादा शेयर किए जाने वाले ट्रेलर का इसका रिकार्ड भी ख़ास है. अब तक, ट्रेलर ने 160 मिलियन से ज़्यादा व्यूज़ का आंकड़ा पार कर लिया है. यह वाकई ट्रेलर की सफलता का प्रतीक है क्योंकि भले ही व्यूज़ अप्राकृतिक हों, लेकिन शेयर करने का तरीका दर्शकों के बीच असली उत्साह को दर्शाता है. इससे यह भी पता चलता है कि लोगों को फिल्म पर गर्व है और उन्होंने इसे अपना बना लिया है. इस फ़िल्म में पाँच स्टंट कोरियोग्राफरों की एक दमदार टीम भी है, जिसमें हालीवुड के टोडर लाज़रोव और प्रशंसित भारतीय कलाकार राम-लक्ष्मण, महेश मैथ्यू और मिथुन सिंह राजपूत शामिल हैं. कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करते हुए, एक्शन निर्देशक अर्जुन राज ने फ़िल्म के ज़बरदस्त इंटरवल और क्लाइमेक्स दृश्यों को डिज़ाइन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हाल ही में एक साक्षात्कार में, अर्जुन राज ने अपने पसंदीदा एक्शन दृश्यों में से एक के बारे में बात की और इसे जीवंत बनाने के लिए ऋषभ शेट्टी के अटूट समर्पण पर प्रकाश डाला. एक्शन निर्देशक अर्जुन राज ने बताया, इंटरवल और क्लाइमेक्स दृश्य मेरे पसंदीदा हैं, ख़ास तौर पर इंटरवल वाली लड़ाई, ऋषभ सर के साथ मेरा पहला बड़ा कोरियोग्राफ़ी दृश्य था, उनका अभिनय और एक्शन इसे अविस्मरणीय बनाते हैं, मेरा मानना है कि इस दृश्य को कोई और नहीं बना सकता, यह इतना अनोखा है, मुझे पूरा विश्वास है कि न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया इस फ़िल्म को देखने के बाद इसकी सराहना करेगी. कांतारा: चैप्टर 1, होम्बले फिल्म्स के सबसे महत्वाकांक्षी उपक्रमों में से एक है, इसकी रचनात्मक टीम में संगीत निर्देशक बी. अजनीश लोकनाथ, छायाकार अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिज़ाइनर विनेश बंगलान शामिल हैं, जिन्होंने फिल्म के प्रभावशाली दृश्य और भावनात्मक कथानक को आकार दिया है. इसके अलावा, होम्बले फिल्म्स 2022 की इस विरासत को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है. निर्माताओं ने कांतारा: चैप्टर 1 के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ एक व्यापक युद्ध दृश्य तैयार किया है, जिसमें 500 से ज़्यादा कुशल योद्धा शामिल हैं और 3,000 लोग इसमें शामिल हैं. इस दृश्य को 25 एकड़ के ऊबड़-खाबड़ इलाके में फैले एक पूरे कस्बे में 45-50 दिनों की अवधि में फिल्माया गया, जिससे यह भारतीय सिनेमा के इतिहास के सबसे बड़े दृश्यों में से एक बन गया. 2 अक्टूबर को दुनिया भर में रिलीज होने वाली यह फिल्म काड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी में रिलीज होगी, जो अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए विभिन्न भाषाओं और क्षेत्रों के दर्शकों तक पहुंचेगी. कांतारा: चैप्टर 1 के साथ, होम्बले फिल्म्स भारतीय सिनेमा की सीमाओं को आगे बढ़ा रही है, तथा एक गहन अनुभव का वादा कर रही है जो लोककथाओं, आस्था और सिनेमाई उत्कृष्टता का जश्न मनाता है.

बाक्स आफिस पर जाली एलएलबी 3 की पकड़ मजबूत, 100 करोड़ रुपये से चंद कदम दूर

अक्षय कुमार और अरशद वारसी की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म जाली एलएलबी 3 को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 10 दिन पूरे हो गए है। दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों ने भी इस फिल्म की खूब तारीफ की, जिसका असर इसकी कमाई पर दिख रहा है। भले ही कामकाजी दिनों में इसका बाक्स आफिस पर जादू नहीं चला, लेकिन वीकेंड पर इसने ठीक-ठाक कमाई कर ली है। आइए जानें जाली एलएलबी 3 ने 10वें दिन बाक्स आफिस पर कैसा प्रदर्शन किया। बाक्स आफिस का ब्योरा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, जाली एलएलबी 3 ने अपनी रिलीज के 10वें दिन यानी दूसरे रविवार को 6.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बाक्स आफिस कलेक्शन 90.50 करोड़ रुपये हो गया है। 80 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 130 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है। बाक्स आफिस पर जाली एलएलबी 3 का सामना ओजी और मिराई जैसी फिल्मों से है। जाली एलएलबी 3 के निर्देशन की कमान सुभाष कपूर ने संभाली है। इस फिल्म में सौरभ शुक्ला, अमृता राव और हुमा कुरैशी जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद फिल्म जाली एलएलबी 3 का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफार्म जियो हाटस्टार और नेटफ्लिक्स होगा। इस फिल्म का प्रीमियर अक्टूबर, 2025 के अंत तक हो सकता है। बता दें कि जाली एलएलबी 3 साल 2013 में रिलीज हुई थी, वहीं इसका सीक्वल 2017 में आया था।

मधुमक्खी नहीं राक्षस हूं, हारर कामेडी से एक्शन अवतार में दिखे प्रभा, द राजा साब का दमदार ट्रेलर रिलीज

साउथ सुपरस्टार प्रभास स्टारर रोमांटिक हारर कामेडी फिल्म द राजा साब का ट्रेलर रिलीज हो गया है. प्रभास के फैंस को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है और ट्रेलर ने फैंस की बेताबी को और बढ़ा दिया है. बीते दिन मेकर्स ने फिल्म से प्रभास और संजय दत्त का एक पोस्टर जारी कर ट्रेलर के रिलीज डेट की जानकारी दी थी. इस पोस्टर में प्रभास और संजय दत्त का अलग ही अवतार दिख रहा था. अब जब फिल्म द राजा साब का ट्रेलर रिलीज हो गया है. तीन मिनट से ज़्यादा के ट्रेलर में प्रभास को सम्मोहित होते हुए दिखाया गया है और बाहर आने से पहले कई अजीबोगरीब चीज़ों और एक आलीशान महल का अनुभव करते हुए दिखाया गया है। फिर वह अपने दादा संजय दत्त की तस्वीर देखते हैं और फिर उनका भूत प्रकट होता है। बाद में निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार और मालविका मोहनन के बीच रोमांटिक ट्रैक के साथ प्रभास अपने हाव-भाव और भावनाओं में विविधता दिखाते हुए दिखाई देते हैं। लुंगी पहने प्रभास सभी को चौंका देते हैं, इससे पहले कि ट्रेलर एक बार फिर अलौकिक और डरावने तत्वों के साथ आता है। प्रभास स्टार वार्स के लिए तैयार होते हैं और विज़ुअल इफेक्ट्स, सिनेमैटोग्राफी और बैकग्राउंड स्कोर ने दृश्यों को और भी बेहतर बना दिया है। ट्रेलर के अंत में प्रभास को अलग-अलग अवतार में दिखाया गया है जो सभी को आश्चर्यचकित कर देता है। फिल्म के निर्माता पीपल मीडिया फैक्ट्री से जुड़े टीजी विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद हैं. फिल्म का निर्देशन मारुति दसारी ने किया है. इस फिल्म की कहानी एक युवा उत्तराधिकारी की है, जो अपनी शाही विरासत और विद्रोही भावना से सत्ता में आता है और फिर द राजा साब बनकर अपने शासनकाल में अभूतपूर्व नियमों को लागू करता है. फिल्म की स्टारकास्ट में प्रभास, संजय दत्त, मालविका मोहनन, निधिन अग्रवाल, रिद्धी कुमार, और योगी बाबू अहम रोल में दिखेंगे. फिल्म की आगामी 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है.

तेजा सज्जा की फैंटेसी-एक्शन एडवेंचर फिल्म मिराय ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, दुनिया भर में कर ली 150 करोड़ की कमाई

तेजा सज्जा की फैंटेसी-एक्शन एडवेंचर फिल्म मिराई ने सिनेमाघरों में रिलीज़ के तीसरे हफ़्ते में एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। इसने उत्तरी अमेरिका में 30 लाख डालर का आंकड़ा पार कर लिया है और दुनिया भर में 150 करोड़ की कमाई कर ली है। बिना किसी त्योहार या छुट्टियों के रिलीज़ होने के बावजूद, फिल्म की सफलता उल्लेखनीय है। मिराई की दमदार विषयवस्तु और तेजा सज्जा की बढ़ती बाक्स आफिस कमाई ने इसके प्रभावशाली प्रदर्शन में योगदान दिया है। दशहरा के मौसम में फिल्म की गति बढ़ गई, जहाँ पारिवारिक दर्शकों और बार-बार देखने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हुई। हाल ही में जोड़ा गया गाना वाइब उंडी दर्शकों की संख्या को और बढ़ा रहा है और स्क्रीनिंग के दौरान दर्शकों का पसंदीदा बन गया है। मिराई में ज़बरदस्त एक्शन, भावनात्मक गहराई और काल्पनिक दुनिया का मिश्रण सभी आयु वर्ग के दर्शकों को आकर्षित करता है। मिराई और उनकी पिछली फिल्म हनुमान के साथ तेजा सज्जा की सफलता ने उन्हें अमेरिका में लगातार 30 लाख डालर की कमाई करने वाले कुछ चुनिंदा तेलुगु अभिनेताओं में से एक बना दिया है। फिल्म के प्रभावशाली दृश्य, रोमांचक एक्शन और भावनात्मक क्षणों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। मिराई ने दुनिया भर में 150 करोड़ की कमाई के साथ, तेजा सज्जा एक उभरती हुई ताकत के रूप में उभर रही है। फिल्म की सफलता का श्रेय इसकी आकर्षक कहानी, यादगार किरदारों और प्रभावशाली संगीत को दिया जा सकता है। वाइब उंडी गाना दर्शकों का पसंदीदा बन गया है और फिल्म के दृश्यों ने भी दर्शकों को प्रभावित किया है।

थामा का पहला गाना तुम मेरे ना हुए जारी, रश्मिका-आयुष्मान की केमिस्ट्री ने जीता दिल

अभिनेता आयुष्मान खुराना पिछले काफी समय से फिल्म थामा को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी इस रोमांटिक कामेडी हारर फिल्म के निर्देशन की कमान आदित्य सरपोतदार को सौंपी गई है, वहीं दिनेश विजान इसके निर्माता हैं। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसमें पहली बार आयुष्मान की जोड़ी रश्मिका मंदाना के साथ बनी है। बीते दिनों थामा का ट्रेलर रिलीज हुआ था, वहीं अब निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना तुम मेरे ना हुए जारी कर दिया है। तुम मेरे ना हुए गाने को मधुबंती बागची और सचिन-जिगर ने मिलकर गाया है, वहीं इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। इस गाने में रश्मिका और आयुष्मान एक साथ जबरदस्त डांस करते दिख रहे हैं। दोनों की केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आ रही है। थामा में परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे कलाकार भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म इसी साल दिवाली के खास मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। थामा में आयुष्मान और रश्मिका के अलावा परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे दिग्गज कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी, हारर और कामेडी का बेहतरीन मिश्रण पेश करती है और दर्शकों को एक अलग ही अनुभव देने का वादा करती है। निर्माताओं ने घोषणा की है कि थामा इसी साल दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दिवाली के समय बड़े पर्दे पर रिलीज होने से फिल्म को दर्शकों तक पहुंचने का और भी बड़ा प्लेटफार्म मिलेगा। फिल्म की शानदार स्टारकास्ट, आकर्षक म्यूजिक और रोमांचक कहानी इसे 2025 की मोस्ट अवेटेड हारर-कामेडी फिल्मों में से एक बनाती है।

SC issues notice on plea to remove BJP Assam's Muslim 'takeover' video

AGENCIES

New Delhi : The Supreme Court on Tuesday issued a notice on a plea seeking directions for the removal of a video posted by the official X handle of BJP Assam, which allegedly spreads communal disharmony and vilifies the Muslim community. The application pointed to a video circulated on September 15, from the handle 'BJP Assam Pradesh' that purportedly depicts a "grossly false narrative" suggesting a Muslim "takeover" of Assam if the BJP doesn't continue in power. Issuing notice, a Bench of Justices Vikram Nath and Sandeep Mehta sought responses from the BJP Assam unit and the social media platform 'X' and listed the matter for hearing on October 27. The application, filed through advocate Lzafeer Ahmad, stated that the video shows "visibly Muslim people (wearing skull caps and burqas) taking over tea estates, Guwahati airport, Assam Ranghar, Guwahati Stadium, and Guwahati town," while also depicting "illegal migrants who are visibly Muslim coming into Assam; Muslims acquiring government land; and finally, that the State has 90% Muslim population." The petitioners have sought urgent removal of the video, which has garnered over 4.6 million views, 19,000 likes, and 6,100 reposts as of September 18. "As the ruling dispensation, BJP-Assam is bound by the Constitution of India and thereby is bound to uphold the secular values that form part of the basic structure of the Constitution. However, the video circulated by its official Twitter openly targets, vilifies and demonises Muslims," the application stated. "The broad message of the video is that the worst fate that a State can be met with is its takeover by Muslims, and on the strength of the assurance that if the BJP is voted into power, the State would be saved from the same, support is being sought," it added. The application has argued that the act of disseminating such content amounts to a "gross failure as well as the complete disregard of secular values that the ruling dispensation of any State of our country is bound to uphold".

Drugs valued at Rs 70 crore seized in Tripura; four held

AGENCIES

Agartala : In one of the major drug hauls, the Assam Rifles, in close coordination with the Customs officials, seized contraband valued at Rs 70 crore in Tripura and arrested four drug peddlers, officials said on Tuesday.

A defence spokesman said that in a major strike against drug trafficking, Assam Rifles, in close association with Customs officials, launched a well planned operation in Singhichhara areas under Khowai district. Acting on secret inputs, the joint team intercepted two trucks carrying cement as coverup cargo for trafficking narcotics and recovered 69.61 kg highly addictive methamphetamine tablets valued at around Rs 70 crore. Four drug peddlers were also apprehended. The spokesman said that this operation was a follow-up to the successful operation conducted on September 29 in the bordering Mohanpur in West Tripura district.

'Injustice': Congress condemns attack on BJP leaders in Bengal

AGENCIES

New Delhi : Congress leader Adhir Ranjan Chowdhury on Tuesday condemned the attack on BJP leaders in West Bengal's Jalpaiguri district, terming it an "injustice" and criticising the police for remaining silent. BJP Maldaha Uttar MP Khagen Murmu and MLA Shankar Ghosh were brutally attacked by a mob on Monday while on their way to meet residents affected by the recent landslides in North Bengal and to distribute relief materials. While Ghosh suffered minor bruises, Murmu sustained serious injuries to his face and head. Speaking to the news agency, Chowdhury said, "This is an injustice. Workers of a party can go anywhere. People are flood-affected, lakhs of people are living in bad conditions, and there is panic among the people. Any member of the party, be it the BJP, Congress, Trinamool Congress, Left or Muslim League, anyone can go; there is nothing wrong with it. However, when someone is attacked, beaten up, violence happens, people covered in blood is very wrong." He further slammed the ruling Trinamool Congress government, saying, "This is what happens in Bengal. If people connected to the ruling party have done something wrong, if something happens, then the police keep quiet. PM Modi is making allegations, and the West Bengal Chief Minister is making counter-allegations. They do this as soon as elections come." The Congress leader also expressed optimism about the Mahagathbandhan's prospects in the upcoming Bihar Assembly elections, asserting that "change is inevitable". "After Rahul Gandhi's Voter Adhikar Yatra, the efforts by Rahul Gandhi, Tejashwi Yadav and other opposition leaders to bring change in Bihar are receiving support from the common people," Chowdhury said.

Rs 42 lakh digital arrest fraud:

Delhi cyber cell nabs three fraudsters for duping elderly

AGENCIES

New Delhi : In a major crackdown on the cyber fraudsters, the Cyber cell of Delhi Police Crime Branch apprehended three accused for cheating an elderly citizen, also a retired government employee, of Rs 42 lakh on Tuesday, said an official. The cyber cell also unearthed the money trail used by cyber criminals to divert the money through multiple channels to escape the clutches of law. The senior citizen was cheated of nearly Rs 42.49 lakhs through digital arrest, and the cyber cell managed to trace Rs 8.49 lakhs, being siphoned off to multiple bank accounts. The arrest exposes the deep nexus of organised cyber fraud and disrupted crucial financial pipelines misused to cheat citizens. The accused had provided his current bank account to interstate cyber syndicates, thereby facilitating the diversion and laundering of victims' funds through multiple channels. The 80-year-old victim, a retired government employee, had received fraudulent calls from certain WhatsApp numbers, where the callers falsely claimed to be officials from ED/CBI. The fraudsters claimed that they had evidence of wrongful financial transactions in his name and threatened him with consequences.

I've seen several deepfake videos of myself, time to boost cyber defences: Sitharaman

AGENCIES

Mumbai : Finance Minister Nirmala Sitharaman said on Tuesday that she has seen several deepfake videos of herself being circulated online, manipulated to mislead citizens and distort facts -- a reminder of the urgency with which we must strengthen our defences. Addressing the 6th edition of the Global FinTech Fest 2025 in Mumbai, she said the new generation of fraud is no longer about breaching firewalls, it is about hacking trust. "Criminals are using AI to mimic voices, clone identities and create lifelike videos that can manipulate people," she told the gathering. To address rising impersonation and false representation targeting investors, it is heartening to note that SEBI and NPCI have launched a dedicated UPI handle for SEBI-registered investor-facing intermediaries with category suffixes such as .brk for brokers and .mf for mutual funds.

BSF recovers pistol parts, Pakistan-made ammunition from border areas of Tarn Taran

AGENCIES

Tarn Taran : In its relentless campaign against cross-border smuggling activities, the Border Security Force (BSF) has recovered pistol parts and live rounds from Punjab's Tarn Taran district. According to an official release, on Monday evening, while carrying out a search on the Tarn Taran border, vigilant BSF troops recovered one plastic bottle containing the slide assembly of a pistol near Naushera Dhalla village of Tarn Taran. The bottle was wrapped in yellow adhesive tape with a metal wire loop attached, indicating a drone drop. On Tuesday morning, while tracking a suspected drone movement, the BSF troops successfully seized one packet containing 75 live rounds of 9 mm calibre from a farming field adjacent to village Rajoke in Tarn Taran. The ammunition had stamps of the Pakistan Ordnance Factory, confirming the involvement of Pakistan-sponsored elements planning terror activities on Indian soil.

HM Shah approves additional Rs 707 crore for flood-hit Assam, Gujarat

AGENCIES

New Delhi : Union Home Minister Amit Shah-led High-Level Committee (HLC) has approved Rs 707.97 crore of additional Central assistance to Assam and Gujarat, affected by floods, landslides during 2024, an official said on Tuesday. This Central assistance has been provided from the National Disaster Response Fund (NDRF), subject to an adjustment of 50 per cent of the opening balance for the year available in the State Disaster Response Fund (SDRF), the official said in a statement. Out of the total amount of Rs 707.97 crore, Rs 313.69 crore has been approved for Assam and Rs 394.28 crore for Gujarat. The High-Level Committee has also approved Rs 903.67 crore to Haryana, Madhya Pradesh and Rajasthan under the NDRF for Expansion and Modernisation of Fire Services. A total outlay of Rs 903.67 crore will have Rs 676.33 crore as Central assistance. Out of the total amount of Rs 903.67 crore, Rs 117.19 crore has been approved for Haryana, Rs 397.54 crore for Madhya Pradesh and Rs 388.94 crore for Rajasthan. This additional assistance is over and above the funds released by the Centre to the states in the State Disaster Response Fund (SDRF), already placed at the disposal of the states.

Ashok Gehlot demands judicial probe into SMS hospital fire tragedy

AGENCIES

Jaipur : Former Rajasthan Chief Minister Ashok Gehlot on Tuesday demanded a judicial commission probe into the tragic fire incident at Jaipur's Sawai Man Singh (SMS) Hospital, which claimed the lives of eight people and left several others injured. Calling the incident a result of "systemic negligence", Gehlot said such tragedies have become all too common in Rajasthan. Referring to earlier incidents, he recalled the Jhalawar school roof collapse, in which seven children lost their lives, and the recent deaths linked to cough syrup consumption among children. "How many times have we seen such negligence?" Gehlot said in a post on social media. "In Jhalawar, we saw children die - sometimes due to cough syrup, other times due to system failures. This time, it was a fire," he said. Describing the situation at SMS Hospital as unprecedented, he said, "Families were crying, asking, 'Where are the bodies of our loved ones?' The chaos that night was unlike anything I've seen before." He further criticised the state government's response, stating that Chief Minister Bhajanlal Sharma should have visited the hospital that night and offered support to the grieving families. "Had the Chief Minister met them and shown empathy, it would have sent a message that the government cared. But no one even spoke to them. Their anger was justified - and it only grew," he said. Gehlot, who visited the site himself, described the aftermath as devastating. "The hospital ward was completely gutted. Some say the victims died of suffocation, but the level of negligence is undeniable." Rejecting the government's decision to form a short-term internal committee to investigate the incident, he emphasised the need for a judicial inquiry

PIL in SC seeks CBI probe into children's death due to cough syrup

AGENCIES

New Delhi : A PIL has been filed in the Supreme Court seeking a CBI investigation into the deaths of children in Madhya Pradesh and Rajasthan after the consumption of toxic cough syrup. The PIL sought a retired Supreme Court judge to monitor a probe and inquiry into the manufacture, regulation, testing and distribution of contaminated cough syrups. The petition by Advocate Vishal Tiwari called for the constitution of a National Judicial Commission or Expert Committee headed by a retired Supreme Court judge to conduct a comprehensive inquiry into the manufacture, testing, and distribution of contaminated cough syrups containing Diethylene Glycol (DEG) and Ethylene Glycol (EG), the same toxic compounds that have previously caused fatalities. It sought direction to the Centre to set up a National Judicial Commission or Expert Committee to investigate the regulatory failures that allowed the circulation of substandard cough syrups, and to suggest robust measures to prevent such tragedies. The proposed body should be chaired by a retired Supreme Court judge and include experts in pharmacology, toxicology, and drug regulation, it suggested. The PIL also sought a direction to transfer all pending FIRs and investigations related to the child deaths due to poisonous cough syrups in various states to the Central Bureau of Investigation (CBI), under the supervision of a former Supreme Court judge, to ensure an impartial, coordinated probe. Multiple state-level inquiries have resulted in fragmented accountability, allowing recurring instances of toxic formulations to reach consumers, it added. As per the reports, several children died in Madhya Pradesh and Rajasthan after consuming Coldrif Cough Syrup, a formulation manufactured by Sresan Pharma Pvt. Ltd., a Tamil Nadu-based pharmaceutical company. The petition called for "immediately recall, seize and prohibit the sale and distribution of all batches of Coldrif Cough Syrup and any other formulations manufactured by Sresan Pharma Pvt. Ltd., Tamil Nadu, or any related companies, pending toxicological clearance and verification of safety standards by independent NABL-accredited laboratories." It further sought direction to the Centre to conduct nationwide mandatory testing of all syrup-based pharmaceutical formulations for the presence of Diethylene Glycol (DEG) and Ethylene Glycol (EG), and to publish the results of such testing in the public domain for transparency and public safety.